# हरियाणाा विधान सभा

# की

# कार्यवाही

## 10 जुलाई, 1987

खण्ड 1 अंक 2

अधिकृत विवरण

# विशय सूची

## भाुक्रवार, 10 जूलाई, 1987

**पृश्ठ संख्या**


| | |
|---|---|
| राज्यपाल का अभिभाशण | |
| सदन की मेज पर रखी गई प्रति | (2)1 |
| सदन की मेज पर रखें गए कागज पत्रः– | (2)8 |
| अध्यक्ष द्वारा घोशणाः– | |
| (क) पैनल आफ चेयरमैन | (2)8 |
| (ख) राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी | (2)8 |
| भाोक प्रस्ताव | (2)9 |
| सदन की मेज पर रखें गए/पुनः रखे गए कागज पत्र | (2)40 |

# हरियाणा विधान सभा

## भुक्रवार, 10 जूलाई, 1987

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चंडीगढ़ में 9.30 बजे प्रातः हुई। अध्यक्ष (श्री हरमोहिन्द्र सिह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

## राज्यपाल का अभिभाशण

## (सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

**श्री अध्यक्षः** मैम्बर साहेबार, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज और प्रोसीजन एंड कन्डक्ट औफ बिजनैस के रूल 18 के अनुसार आपको यह सूचना देनी है कि कांस्टीच्यू ान के आर्टिकल 176(1) के अनुसार राज्यपाल महोदय ने आज 10 जुलाई, 1987 को सुबह 9.30 बजे हरियाणा विधान सभा के सामने ऐड्रैस देने की कृपा की है। ऐड्रैस की एक कापी आन दि टेबल औफ दि हाउस रखी जाती है।

''माननीय अध्यक्ष महोदय, एंव सदस्यों''

मुझे हरियाणा विधान सभा के इस अधिवे ान मे आप सब का स्वागत करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। आपके लिए मेरी भुभकामनांए और मै आ ाा करता हूं कि इस सभा के परिपक्व एंव रचनात्मक विचार–विर्म ा से राज्य तथा समाज के

सभी वर्गो को मार्गद र्न मिलेगा तथा समूचे विकास की गति मे तेजी आयेगी।

हरियाणा विधान सभा के निर्वाचन के परिणामस्वरूप राज्य मे नई सरकार ने कार्यभार संभाला है। हरियाणा संघर्श समिति और इसके कर्मठ नेता, चौधरी देवी लाल के समर्थन मे, हरियाणा की जतना ने, उनके निर्वाचन कार्यक्रम और वउनकी नीतियों की सराहना करते हुए उन्हे बेमिसाल विजय दिलाई है। (तालियां) मेरी सरकार अपने वायदों को निश्ठा एंव लग्न से पूरा करने के लिए वचनबद्व है।

पंजाब समस्या के कारण इस सारे क्षेत्र मे एक तनाव सा पैदा हो गया हैं। मेरी सरकार इस समस्या को जल्दी से जल्दी सुलझाना चाहती हैं। हम हरियाणावासी, पंजबा मे भाान्ति एंव समृद्वि की कामना करते हैं। पंजाब की सम्सयाओं को सुलझाने के लिए पंजाब के लोगो केा केन्द्र सरकार द्वारा दी गई रियायतों का हम किसी प्रकार से विरोध नही करते, लेकिन इस प्रकार दी जाने वाली कोइ भी रियायत हरियाणा के लोगों के हितों के विरूद्व नही होनी चाहिए। पंजाब और हरियाणा से सम्बन्धित किसी मामल पर निर्णय लेने से पूर्व केन्द्र सरकार को हरियाणा सरकार से विचार–विर्म ा करना चाहिए। (तालियां)

मेरी सरकार पंजाब समझोते की उन भार्तो का समर्थन नही कर सकती तो हरियाणा की जनता के हितों और अधिकारों

के प्रतिकूल है। समझौता करते समय, पर पराम र्ा किया गया है ओर न ही यह समझोता हरियाणा के लोगो के हित मे था। मेरी सरकार यह महसूस करती है कि वि ोशतौर पर समझौते की धारा 7 तथा 9 को हरियाणा के साथ, पराम र्ा किए बिना भाामिल नही किया जाना चाहिए था। चण्डीगढ सम्बन्धी विवाद का खामख्वाह पेचीदा बना दिया गया हैं मेरी सरकार चण्डीगढ के सम्बन्ध मे स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा 1970 मे दिए गए निर्णय के अनुपालन का स्वागत करेगी। यदि चण्डीगढ पंजाब को दे दिया जाता है तो हरियाणा को अबोहर और फजिल्का के क्षेत्र मिलने चाहिए और हरियाणा की नई राजधानी के निर्माण का पूरा खर्च केन्द्र सरकार को करना चाहिए।(तालियां)

दुर्भाग्या की बात है कि पिछले कुछ वशाो से यह धारणा बहुत बढ गई है कि पंजाब और हरियाणा के हित परस्पर विरोधी है। इसके प्रतिकूल वास्तविक स्थिति यह है कि देानो राज्यों के हितों को अलग नही किया जा सकता और ऐसा कोई कारण नही है कि ये सभी बकाया विवाद सद्भावना और मैत्रीपूर्ण ढंग से नही सुलझाए जा सकते। मेरी सरकार, इस झगड़े को पंजबा सरकार के साथ आमन सामने बैठकर सुलझाने के लिए तैयार है परन्तु स्थायी समझोते तो केवल प्रतिनिधी सरकार के साथ ही किए जाते है।

मेरी सरकार राज्य मे सिचाई सुविधाए प्रदान करने को बहुत महत्व देती है। सिचांई की सहूलियतों को उचित रूप से

बढाए जाने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, आधुनिकीकरण कार्यक्रम को तेज किया जाएगा ताकि पानी की खपत मे सुधार किया जा सके और पानी की एक  एक बूंद का अधिकतम उपयोग किया जा सकें।

माननीय प्रधानमंत्री और स्वर्गीय सन्त हरचन्द सिंह लोगोवाल के बीच हुए समझोते का अनुसरण करते हुए पिछले वर्श भारत सरकार द्वारा रावी–ब्यास जल अधिकरण की स्ाापना की गई थी। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि अधिकरण ने सभी मुख्य पहलुओं पर हरियाणा राज्या सरकार द्वारा दी गई दलीलों को स्वीकार किया है। उन्होने न केवल भारतीय संघ राज्यों के संदर्भ मे रिपेरियन सिंद्वात को लागू करने केा ही अस्वीकार किया है बल्कि स्पश्ट रूप से माना है कि हरियाणा सिन्धु घाटी का एक भाग है और पंजबा  का सिन्धु घाटी की पूर्वी नदियों अर्थात रावी, ब्यास और सतलूज के पानी पर एकमात्र अधिकार नही है। उन्होने इस जल के सम्बन्ध मे हमारे न्योचित आंबटन के तक को स्वीकार किया है। अन्तिक वि लेशण मे, रावी–व्यास के फालतु जल से हरियाणा के हिस्से को बढाकर 3.83 एम.ए.एफ.कर दिया है जबकि इससे पहल आंबटन 3.5 एम.ए.एफ. था। मेरी सरकार का दृढ़ मत है कि 3.83 एम.ए.एफ तक बढा हुआ यह आबटन भी हरियाणा के लोगों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी नही और इसे पर्याप्त रूप से बढाया जाना चाहिए। रावी–ब्यास नदियों के फालतु पानी को बांटने के सम्बन्ध मे भारत सरकार ने अपने

वर्श 1976 के निर्णय के मुताबिक हरियाणा को 3.5 एम.ए.एफ. पानी दिया था ओर यह निर्णय लिया गया था कि पंजाब को भी 3.5 एम.ए.एफ. से अधिक पानी नही मिलेगा। मेरी सरकार इस बात पर जोर देती है कि हरियाणा के आव यकताओं केा देखते हुए उक्त निर्णय की भावना के अनुसार रावी–ब्यास नदियों के पानी मे हरियाणा को पंजबा से अधिक हिस्सा मिलना चाहिए। (तालियां)

जहां मेरी सरकार रावी–ब्यास जल पर हरियाणा के अधिकारों की पुश्टि का स्वागत करती है वहां यह सतलुज यमुना योजक नहर परियोजना के पूरा हाने की उत्सुकता से इन्तजार कर रही है। इस नहर का हरियाणा का भाग 1980 मे पूरा कर दिया गया था और हरियाणा मे मुख्य नहर से निकलने वाले वितरण सिंचाई साधनो का निर्माण कार्य भी लगभग पूरा हो गया हैं। दुर्भाग्यव ा पंजाब मे सतलुत यमुना योजक नहर का पूरा करने पर बहुत समय लग गया हैं। मेरी सरकार, माननीय प्रधान मंत्री द्वारा गत मास की गई इस घोशणा का स्वागत करती हैं कि पंजाब मे इस परियोजना को पूरा करने को कार्य केन्द्र सरकार के एक उपक्रम को सौंप दिया जाएगा। यह माननीय प्रधान मंत्री द्वारा इस से पूर्व लिए गए निर्णय का स्वाभाविक परिणाम है कि इस परियोजना पर आने वाला पूरा खर्च केन्द्र सरकार द्वारा परियोजना का निश्पादन करने और देखरेख का काम तुरन्त किसी केन्द्रीय संस्था को सौंप दें, ताकि परियोजना बिना किसी विलम्ब के पूरी हो सकें।

मेरी सरकार का यह प्रयासा होगा कि बिजली की वर्तमान कमी को भीघ्र पूरा किया जाए और बिजली के उपभोक्ता के रूप मे कृशि क्षेत्र को अधिकतम प्राथमिकता दी जाए। (तालियां) हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के कामकाज का कारगर बनाया जाएगा, ताकि सभी वर्गों, वि ोशतया कृशि क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिजली की पर्याप्त सप्लाई सुनि चत की जा सकें। बिजली संयन्त्रों को सुदृढ़ करने के लिए कदम उठाये जाएगें। बिजली उत्पादन बढाने के अतिरिक्त, मेरी सरकार, केन्द्रीय परियोजना से भी बिजली का अपना पूरा हिस्सा मागेंगी।

बिजली की बड़े पैमान पर होने वाली चोरी के आरोप बार बार लगाए जाते है जिससे बिजली बोर्ड को वितीय हानि होती है और इस से वितरण प्रणाली पर भी बूरा असर पड़ता है। मेरी सरकार इस समस्या के कारगर ढंग से निपअने और इस सारे तन्त्र से भ्रश्टाचार को समाप्त करने के लिए कटिबद्ध है।

यह सुनि चत करने के लिए उपाय किए जाएगें कि निर्माणाधीन परियोजनाए, वि ोशतया, पि चमी यमुना पन–बिजली परियोजना का तीसरा बिजली घर और पानीपत बिजली घर के पांचवें यूनिअ का निर्माण कार्य भीघ्र पूरा हो जाए। इन परियोजनाओं के पूरा होने से रात्य मे बिजली उत्पादन क्षमता 226 मै.वा. और बढ़ जाएगी। इसके अतिरिक्त पानीपत मे 210 मै.वा. का छठा यूनिट सीापित करने के प्रस्ताव पर विचार–विर्म ा काफी आगे बढ चुका है। ताजेवाला बांध से कुछ ऊपर पि चमी यमुना

नही पन–बिजली परियोजना का चौथा बिजली घर बनना भी प्रस्तावित है। इस बिजली घर मे 8–8 मै.वा. के दो यूनिट होगें।

यमुनानगर मे 1050 मै.वा. की क्षमता वाले एक सुपर थर्मल बिजली घर की स्ाापना की योजना बनाई गई हैं। परियोजना के पहले चरण मे 210–210 मै.वा. के दो यूनिटों पर काम किया जा रहा है। परियोजना के लिए भूमि अर्जित कर ली गई है और सिविल निर्माण कार्य भाुरू किए जा रहे हैं। इतनी ही क्षमता वाले दूसरे चरण के प्रस्ताव पर केन्द्र सरकार विचार कर रही है। परियोजना के विस्तार के रूप मे तीसरे चरण मे 210 मै. वा. के एक और यूनिट का प्रस्ताव रखा गया हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमे इस परियोजना को पूरा करने के लिये केन्द्र सरकार से भारी सहायता मिलने के स्पश्ट संकेत मिले है।

आज से लगभग दो द ाक पूर्व जब हरियाणा एक अलग राज्य बना तो यह भारत के अत्याधिक पिछड़े राज्यों मे से एक था। राज्य के परिश्रमी लोगों ने अपने नि ि चत प्रयत्नों के साथ साथ राज्य को प्रगति के पथ पर ला दिया हैं। पिछली सरकार द्वारा तय की गई प्राथमिकताओं को नया रूप दिया जाएगा जिससे राज्य का तेजी से संतुलित विकास हो सके। नई सरकार की यह नीति है कि समूचे सामाजिक–आर्थिक विकारो और असुन्तलन को दूर किया जाए। जहां तक विकास कार्यो का सम्बन्ध है, मेरी सरकार राज्य के सभी क्षेत्रा पर एक समान ध्यान देगी।

मेरी सरकार निर्धन से निर्धन लोगों को ऊपर उठाने के लिए वचनबद्व है। इस दि ाा की ओर पहला कदम यह है कि सहकारी क्षेत्रों द्वारा दिए गए कर्जों, एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अधीन दिए गए ऋणों और राज्य के विभिन्न कल्याण निगमों द्वारा चलाई जा रही योजनाओ के अधीन समाज के कमजोर वर्गो के सदस्यों को दिए गए कर्जे माफ करने के लिए सिद्वान्त रूप मे निर्णय ले लिया गया हैं।(तालियां) इस समस्या पर गहराई से विचार करने और अपनी सिफारि ें प्रस्तुत करने के लिए मंत्रिमण्डल की एक उप समिती का गठन किया गया है। वित्त मंत्री, सिचांई तथा बिजली मंत्री, सिंचाई तथा बिजली मंत्री और राजस्व मंत्री इस समिती के सदस्य है।

मेरी सरकार हरियाणा के जांबाज किसानो के हालात सुधारने के लिए वचनबद्व है जो विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत से सारे दे ा के लिए अन्न उपजाते है। मेरी सरकार का यह प्रयास रहेगा कि सारे बुनियादी ढांचे को इस प्रकार से सुदृढ़ बनाया जाए ताकि यह सुनि ि चत किया जा सके कि किसान उत्पादन बढांए और साि ही वे अपनी आर्थिक स्थिती को भी सुधर सकें। वर्शा पर निर्भर क्षेत्रों मे उत्पादन को स्थिर करने के विचार से भुश्क–भूमि–कृशि (ड्राई लेण्ड फामिंग) को उच्च प्राथमिकता दी जाएगी। तिलहन और दालों के उत्पादन को भी प्राथमिकता दी जाएगी। मेरी सरकार, किसानों को अपने उत्पादन को भी प्राथमिक्ता दी जाएगी। मेरी सरकार, किसानो को अपने

उत्पादन के लिए लाभकारी मूल्य सुनि ि चत करने के लिए भी वि ोश प्रयास करेगी।

किसानों के खेतों के साथ लगते हुए वृक्षों की पहली पंक्ति से होने वाली आमदन का हिस्सा किसानों को देने का निर्णय लिया गया हैं। (तालियां) इससे उन जमीन मालिको की क्षतिपूर्ति को सकेगी, जिसकी फसलो पर ऐसे पोधारोपण से कुप्रभाव पड़ता हैं। इस से सड़क के दोनो ओर वृक्षों को बचाने के लिए किसानो को उत्साह बढेगा।

मेरी सरकार को पूरा समर्थन देती रहेगी, क्योकि यह राज्य मे रोजगार और समृद्वि का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। लघु और ग्रामीण उधोगों ओर पिछड़े क्षेत्रो मे ओधोगिक इकाईयों की स्ाापना करने पर अधिक जोर दिया जाएगा। कृशि पर आधारित उधोगों पर भी अधिक ध्यान दिया जाएगा। ये गावों मे बेरोजगारी और गरीबी की समस्याओं को सुलझाने और ग्रामीण समाज को आत्म निर्भर बनाने और राश्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वप्न को साकार करने मे हमारे लिए सहायक होगें। गांधी जी ने एक स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर ग्रामीण समाज की कल्पना की थी। इस उदे य को प्राम्त करने के लिए मेरी सरकार ि ाक्षित युवकों केा रोजगार प्रदान करने के लिए व्यवहार्य योजनाए तैयार केरगी। यह निर्णय लिया गया है कि जो बरोजगार व्यक्ति नये रोजगार के लिए साक्षात्कार हेतू बुलाए जाएगें उन्हे हरियाणा रोडवेज की बसों

के द्वारा अपने घर से साक्षात्कार की जगह तक मुक्त यांत्रा की सुविधा दी जाएगी। (तालियां)

मेरी सरकार निर्धन वृद्व और कमजोर व्यक्तियों के प्रति भी बहुत सहानुभूति रखती है। राज्या के वृद्व नागरिकों को आर्थिक सहायात देने के विचार से उन व्यक्तियों को 100 रूपये प्रति मास की दर से वृद्वावस्था पें ान दी जाएगी जो 17 जून 1987 को या उससे पहले 65 वर्श के हो गये थें। (तालियां) इस योजना के अन्तर्गत लगभग साढे पांच लाख व्यक्तियों को लाभ होगा और सरकार का इस पर लगभग 60 करोड़ रूपये वार्शिक खर्च होगा। आय कर देने वाले और 100 रूपये से अधिक सिविल या मिलट्री पें ान लेने वाले वयक्ति इस वृद्वावस्था पे ान के लिए पात्र नही होगें। 100 रूपये से कम पे ान लेने वाल व्यक्तियों को उतनी रकम वृद्वावस्था पें ान के रूप मे दी जाएगी जिस से उनक की अपनी पे ान और वृद्वावस्था की रा ि ा मिला कर 100 रूपये हो जाए।

मेरी सरकार, राज्य मे लोकतान्त्रिक प्रणाली को पुनः स्ाापित करने के लिए वचनबद्व है ओर इस आ ाय हेतू राज्य मे सभी नगरपालिकाओं के चुनाव करवाने का निर्णय लिया गया हैं। (तालियां) चुनाव सम्बन्धी अधिसूचना 6 जुलाई 1987 को पहले ही जारी की जा चुकी हैं नगरपलिकाओं के सदस्यों को चनने की यह प्रक्रिया अगल मास के अन्त तक पूरी हो जाएगी।

पिछली सरकार ने कुछेक ऐसे व्यक्तियों के विरूद्व मुकदमे चलाए थें, जिन्होने ''रास्ता रोंकों'' जैसे लोकप्रिय आन्दोलन मे भाग लिया था। मेरी सरकार ने इस सम्बन्ध मे दायर किए गए सभी फौजदारी मुकदमो को वापिस लेने केा निर्णया लिया हैं। (तालियां) जनवरी, 1986 मे जिला सोनीपत के जोली लाठ, कुरूक्षेत्र के चंदाना ओर जिला सिरसा के पन्नीवाला मोटा गांवों के गोलीकांड के सम्बन्ध में जांच आयोग स्ाापित करने का भी निर्णय लिया है। (तालियां)

मेरी सरकार अपने कर्मचारियों के साथ स्वस्थ एंव उपयोगी सम्बन्ध रखने मे वि वास रखती है। इस दि ाा मे जब से पहला कदम, उन सभी कर्मचारियों को बहाल करने का निर्णय लेना है , जिन्हे हाल ही के कर्मचारी आन्दोलन के भाग लेने के कारण नौकरी से निकाल दिया गया था। (तालियां) इस सम्बन्ध मे कर्मचारियों के विरूद्व दायर किए गए फौजदारी मुकदमो की जांख की जाएगी और वे सभी मामले वापिस लेने का प्रस्ताव है जिन मे कोई गंभीर अपराध या सार्वजनिक सम्पति का विना ा आदि भाामिल नही है।

राज्य का भाासन, सरकार और उसके कर्मचारियों के आपसी वि वास पर आधारित होता है। जहां मेरी सरकार अपने कर्मचारियों की उचित आकांक्षाओं को सन्तुश्ट करने की कोि ा ा करेगी और जो ईमानदारी से अपने कर्त्व्यों का पालन करेगें, उनको सुरक्षा प्रदान करेगी, वहां मेरी सरकार भ्रश्टाचार, ढीलापन

या अनु ाासनहीनता को सहन नही करेगी। मेरी सरकार सार्वजनिक जीवन और प्र ाासन से भ्रश्टाचार को जड़ से मिटाने पर वि ोश बल देगी। (तालियां) सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों मे लोगो के वि वास को बनाने के लिए अति आव यक है। मेरी सरकार, राज्य के सभी स्तरों पर भ्रश्टाचार के उन्मूलन के कार्य मे अपने कर्मचारियों और जनता का पूरा सहयोग चाहती हैं।

मित्रवर, राज्या का भविश्य और हरियाणा के लोगेां का भाग्य आप के हाथा में है। आप को समय की चुनौती स्वीकार करनी है ओर हरियाणा के लोगों मे जो वि वास प्रकट किया है, वह आपको निभाना हैं। गरीबी ओर बेराजगारी जैसी सम्सयाओं को वि ोशतौर पर सुलझाने के लिए निरन्तर प्रयासों के सभी वर्गो अर्थात इस गरिमामय सदन के माननीय सदस्यों, सरकारी कर्मचारियों और जनता का निरन्तर सहयोग अपेक्षित हैं। मेरा वि वास है कि नई सरकार के नेतृत्व मे हरियाणा तेजी से प्रगति करेगा।

इस अभिभाशण को समाप्त करने से पूर्व मै आपका ध्यान आतंकवाद के दो कायरतापूर्ण अपराधो की ओर दिलाना चाहूंगा जो पहला 6 जुलाई 1987 को पंजाब के लालडू के नजदीक और दूसरा 7 जुलाई 1987 को हरियाणा मे फतेहबाद के नजदीक दरियापुर मे हुआ। पहली दुर्घअना मे ऋशिके ा जी जा रही हरियाणा परिवहन की बस मे यात्रा कर रहे 38 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई और दूसरी घटना फतेहाबाद के

नजदीक दरियापुर मे हरियाणा परिवहन की दो बसों मे सवार 31 यात्रियों को मौत के घाट उतार दिया गया। ( ोम भोम की आवाजें) इसके अलावा अन्य बहुत सारे मुसाफिरो को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। इन घटनाओं के कारण लोगों मे रोश तथा गहरा दुख पैदा हुआ और राज्य मे कई एक स्थानों पर सरकार को कानून ओर व्यवस्था की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। राज्य सरकार ने इस स्थिती से सख्ती से साथ निपटने के आदे ा जारी कर दिए गए है और सभी भारारती तथा समाज विरोधी तत्वापें के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही हैं। यह सन्तोश का विशय है कि अब स्थिती पर्णतः काबू मे है। मै दस सदन को आ वासन दिलाता हूं कि सरकार राज्य मे साम्प्रदायिक सद्भावना बनाए रखने और किसी जाति तथा साम्प्रदाय के भेदभाव के बिना सभी नगरिको के जान माल की हिफाजत करने के लिए पूरी तरह वचनबद्व है।

इन भाब्दो के साथ और आपकी सफलता की भुभ कामना करता हुआ मै आप से विदा लेता हूं।

''जय हिन्द''

**सदन की मेज पर रखें गए कागज पत्रः–**

**अध्यक्ष द्वारा**

**श्री अध्यक्षः** आनरेबल मैम्बर्ज, इलैक ान कमि न आफ इंडिया की नोटिफिके ान न.308/एच.एन.एल.ए./87 दिनांकित 21

जून, 1987 जो रिप्रैजेंटे ान आफ दि पीपल ऐक्ट, 1951 की सैक ान 73 के अन्डर इ ू की गई थी, की कापी हाउस की टेबल पर ले की जाती हैं।

## घोशणाए

### (क) अध्यक्ष द्वारा

### पैनल औफ चेरमैन

**श्री अध्यक्षः** आनरेबल मैम्बर्ज, हरियाणा विधान सथा के रूल्ज औफ प्रोसीजन एंड कन्डक्ट औफ बिजनैस के रूल 13(1) के अधीन मै फौलोईंग मैम्बर साहेबान को पैनल औफ चेयरमैंन मे काम करने के लिए नौमिनैट करता हूंः–

1. राव राम नारायण

2. श्री नरसिंह

3. श्री ि ाव प्रसाद

4. श्री तैयब हुसेन

### (ख) सचिव द्वारा

### राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी

**श्री अध्यक्षः** अब सैक्रेटरी साहब एक अनाउन्समैंट करेगें।

**सचिवः** मान्यवर, मै उन विधेयकों का द ार्ाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने बजट फरवरी–मार्च सै ान, 1987 के दौरान पास किए थें तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं।

## विवरण

1. दि पंजाब ऐन्टरटेनमैंटस ड्यूटी (हरियाणा अमैंडमैंट एंड वैलीडे ान) बिल, 1987

2. दि पंजाब बैकवर्ड क्लासिज (ग्रांट आफ लोन्ज) हरियाणा अमैंडमैंट बिल, 1987

3. दि पंजाब ग्रांम पंचायत (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1987

4. दि पंजाब पंचायत समितीज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1987

5. दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (न.2) बिल, 1987

6. दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (न.3) बिल, 1987

7. दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (न.1) बिल, 1987

8. दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (न.4) बिल, 1987

9. दि हरियाणा ऐक्साइज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1987

10. दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैंडमैंट) बिल, 1987

11. दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली(फेसिलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 1987

12. दि हरियाणा लेजिस्लेटिव असैम्बली स्पीकर्ज एंड डिप्टी स्पीकर्ज सेलरीज एंड अलांउसीज (अमैंडमैंट) बिल, 1987

## भाोक प्रस्ताव

**Mr. Speaker:** Now, a Minister will make obituary references.

**मुख्यमंत्री (चौधरी देवी लाल):** जनाब स्पीकर साहब, हमारी असैम्बली के पिछले इजलास से लेकर इस इजलास के अर्से के बीच हमारे कुछ साथी हमको छोड़कर चल बसे हैं। मै उनके लिए औबिचुअरी रैजोल्यू ान पे ा करता हूं।

## चौधरी चरण सिंह–भारत के भूतपूर्व प्रधान मंत्री

यह सदन भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के 29 मई, 1987 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

चौधरी चरण सिंह का जन्म दिसम्बर, 1902 मे उत्तर प्रदे ा मे मेरठ जिले के नूरपुर सााान पर हुआ। वे एम.ए., एल.एल. बी थें। उन्होनें गाजियबाद मे वकालत आरम्भ तथा 1929 मे कांग्रेंस मे भाामिल हो गयें। उन्होने स्वतन्त्रता संग्राम मे सक्रिय रूप से भाग लिया। वे कई बार जेल गयें।

चौधरी चरण सिंह 1937 मे पहली बार उत्तर प्रदे ा विधान सभा के लिए चुने गये तथा 1946, 1952, 1962 तथा 1967 मे पुनः निर्वाचित हुए। 1946 मे गोबिन्द बल्लभ पन्त मंत्रायल मे संसदीय सचीव बनने से ही उनका मंत्री जीवन आरम्भ हुआ तथा 1951 तक वे इसी पद पर कार्य करते रहें। वर्श 1951 से 1967 तक उन्होने उत्तर प्रदे ा के विभिनन मंत्रालयों में महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाला।

चौधरी चरण सिंह 1967–68 तथा पुनः 1970 मे उत्तर प्रदे ा के मुख्यमंत्री बनें। वर्श 1977 और 1980 मे तथा वर्श 1984 मे वे लोक सभा के लिए चुने गयें। वे 1977–78 मे केन्द्रीय गृहमंत्री रहें। वे जनवरी 1979 मे उप–प्रधान मंत्री बने तथा जुलाई 1979 मे प्रधान मंत्री बन गये और जनवरी 1980 तक इसी पद पर रहें। मृत्यू के समय वे लोकदल के अध्यक्ष थे।

मुख्यमंत्री के तौर पर चौधरी चरण सिंह ने अपने राज्य मे भूमि सुधार करने के लिए तथा 1939 मे ऋण प्रतिदान बिल

तथा 1960 मे भूमि–जोत अधिनियम बनाने के लिए सक्रिय कार्य किया। वे अनेक पुस्तकों के लेखक थे।

उनके निधन से दे ा एक व्योवृद्व क्रान्तिकारी, एक महान किसान नेता तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओं से वचित हो गया है।

सदन दिवंगत के भाोक–सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**लालडू और फतेहाबाद के समीप निर्मम हत्याओं के ि ाकार हुए बस यात्री**

यह सदन हरियाणा परिवहन की चण्डीगढ से ऋशिके ा को जाने वाली बस के यात्रियों की पंजाब के पटियाला जिला मे लालडू के समीप 6 जुलाई 1987 को तथा हरियाणा मे फिरोजपुर से दिल्ली तथा हिसार से सिरसा जाने वाली बसों के यात्रियो की फतेहाबाद के समीप 7 जुलाई, 1987 को हुई दुखद एंव निर्मम हत्याओं पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

सदन दिवगंत के भाोक–संतप्त परिवारो के सदस्यों के प्रति हर्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**श्री एम. पी. कोि ाक–सदन सदस्य**

यह सदन के सदस्य श्री एम. पी. कौि ाक के 21 मई 1987 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री एम. पी. कौि ाक का जन्म पहली जनवरी 1924 को जिला गुड़गाव के भोखपुर मे हुआ। वे 1963 से 1981 तक राजकीय द्रोणचार्य कालिज, गुड़गांव के प्रधानाचार्य रहें। वे 1984 मे राज्य सभा के लिए चुने गयें। वे ि ाक्षा, भारतीय द र्ान भाास्त्र, सांसकृतिक कार्यक्रमों तथा खेल मे वि ोश रूचि लेते रहें।

उनके निधन से दे ा एक योग्य सांसद, प्रख्यात ि ाक्षाविद् तथा समाज सुधारक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

सदन दिवगंत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

**डा. सलीम अली–राज्य सभा सदस्य**

यह सदन राज्य सभा सदस्य डा. सलीम अली के 20 जून 1987 को हुए खेद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

डा. सलीम अली का जन्म 12 नवम्बर 1896 को हुआ था। उन्होने पि चमी हिमालय, सिक्किम, भूटान तथा अरूणाचल प्रदे ा सहित उप–महाद्वीप के अज्ञात एंव आंि ाक रूप से जाने गये भागों मे पक्षी–विज्ञान सम्बन्धी खोज यात्रायें की । उन्हे अलीगढ मुस्लिम वि वधिलय द्वारा डाक्टर आफ सांईस की उपाधि सम्मानार्थ दी गयी।

उन्हे 1976 मे पदम विभूशण तथा अन्तर्राश्ट्रीय गेटी पुरस्कार तथा 1958 मे पद्म–भूशण से अलंकृत किया गया। वे 1985 मे राज्य सभा के लिए मनोनीत हुए।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद तथा प्रख्यात प्रकृति–प्रेमी से वंचित हो गया हैं।

सदन दिवगंत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

**श्री मुलतान सिंह – हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री**

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राजयमंत्री, श्री मुलतान सिंह के 24 जून, 1987 को हुए खेद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री मुलतान सिंह का जन्म 27 नवम्बर, 1911 को हुआ। वे 1962 मे पंजाब विधान सभा के लिए चुने गयें। वे दिसम्बर, 1966 से मार्च 1967 तक हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष रहें। वे 1967 मे पुनः हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए तथा राज्यमंत्री बनें।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक तथा एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है।

सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

**चौधरी साहिब राम–सयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक**

यह सदन पंजाब के भूतपूर्व विधायक, चौधरी साहिब राम के 30 मई, 1987 को हुए खेाद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी देवी लाल के बड़े भाई चौधरी साहिब राम का जन्म 1911 मे जिला सिरसा के चौटाला गांव मे हुआ था। अपने गांव सदलपूर से व्यक्तिगत सत्याग्रह आन्दोलन मे भाग लेने के कारण उन्हे जेल यातनाए सहनी पड़ी। उन्हे 1942 के ''भारत छोड़ो'' आन्दोलन के दौरान 3 वर्श तक नजरबन्द रखा गया। उन्हे 1937 मे फतेहाबाद सिरसा ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से पंजाब विधान सभा के लिए चुना गया। वे 1937 से 1952 तक पंजाब विधान सभा तथा 10 वर्श से अधिक की अवधि के लिए विधान परिशद के सदस्य रहें। वे लोकदल के सक्रिय नेता थें।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक तथा स्वतन्त्रा सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया है।

सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

**श्री माखन सिह तरसिक्का–सयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक**

यह सदन संयूक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक, श्री माखन सिंह तरसिक्का के 16 मई, 1987 को हुए खेद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री माखन सिंह तरसिक्का का जन्म 4 अप्रैल, 1922 को हुआ। वे 1938 से भारतीय साम्यवादी दल के सक्रिय कार्यकता थे।

वे जिला किसान सभा अमृतसर के महासचिव रहे तथा उन्होने का तकारों के कल्याण के लिए कार्य किया। वे 1962 मे पंजाब विधान सभा के लिए चुने गयें।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

**श्री सतनाम सिंह–पंजाब के भूतपूर्व राज्यमंत्री**

**वित्त मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता):** अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से सदन के नेता से यह अनुरोध करूंगा कि भाोक प्रस्तावों मे सरदार सतनाम सिंह बाजवा भूतपूर्व अकाली विधायक पंजाब का नाम भी भाामिल करने की कृपा करें।

**चौधरी देवी लाल:** ठीक हैं।

**श्री बनारसी दास गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, श्री बाजवा की आज प्रातः 3:00 बजे आंतकवादियों ने भैनी गिल गांव, जिला अमृतसर मे गोली मार कर हत्या कर दी। श्री बाजवा का जन्म 21 फरवरी, 1922 को हुआ था। वे पहली बार सन् 1962 मे कादियां क्षेत्र से पंजाब विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थें। वे जुलाई सन् 1969 से मार्च, 1970 तक पंजाब सरकार मे वित्त एवं वन विभाग के राज्य मंत्री रहें। यह सदन दिवगंत नेता के प्रति अपनी श्रंद्धाजली प्रकट करता है ओर उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**श्री मंगल सैन (रोहतक):** माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भााके प्रस्ताव प्रस्तुत किए है ओर आदरणीय वित्तमंत्री, श्री बनारसी दास गुप्त जी ने भी श्री सतनाम सिंह बाजवा के भाोक के बारे मे जो बाते कही है, मै उनका अनुमोदन करता हूं। मै अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से कहना चाहता हूं कि चौधरी चरण सिंह जी जो भारत के किसान, मजदूर व आम आदमी के हितों के लिए जीवन भर संघर्श करते रहें, अब हमारे बीच मे नही रहें। 29 मई 1987 को वे अपने अनुयायियों, प्रं ासकों व भाुभचिन्तकों को रोते–बिलखते छोड़ कर इस संसार से विदा हो गए। जैसा कि यह सदन जानता हे कि वे किसान परिवार मे जन्में। उच्च ि ाक्षा प्राप्त करने के बाद चौधरी चरण सिंह स्वाधीनता संग्राम के कूदं। कांग्रेस मे वे बड़े सक्रिय नेता रहें। वपे राजस्व मंत्री भी रहें। उत्तर प्रदे ा जैसे वि ााल प्रदे ा

के मुख्यमंत्री रहे और जब किसान संबन्धी नीतियों का कांग्रेस मे अभाव देखा तो उनके कांग्रेस के साथ मतभेद हो गए थें। तब उनहोने भारतीय क्रान्ति दल के नाम से एक अलग जमात का गठन किया। जब दे ा पर आपात स्थिती थोप दी गई और लाखों राजनीतिक कार्यक्रताओ को जेल की सलाखों के पीछे बन्द कर दिया गया, अखबारों का गला दबोच लिया गया और स्वर्गवासी लोक नायक जय प्रका ा नारायाण जैसे भारत के महान सपूतों को जेलों मे बन्द कर दिया गया तथा अदालतों ने न्याय देना बन्द कर दिया तो उस समय उन्होने अपने दल का अन्य दलों के साथ विलय करके जनता पार्टी के नाम से एक नया दल बनाया। उस समय बड़ी सफलता से लोक सभा के चुनावो मे वह दल विजयी हुआ। व कई प्रदे ाों मे जनता पार्टी की सरकारें बनी। वे उस समय केन्द्र मे गृह मंत्री बने। उसके बाद वित्त मंत्री व प्रधान मंत्री भी बनें। स्पीकर साहब, उन्होनें अपना सारा जीवन देहात के लिए, किसान व मजदूर के लिए संघर्श करते हुए व्यतीत किया। वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होने यह चाहा कि भारत के बजट मे से 40 प्रति ात पैसा देहात मे खर्च होना चाहिए, गरीब किसान पर यह खर्च होना चाहिए, छोटे उधोगों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। घरेलू उघोगों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए, हर खेत को पानी मिलना चाहिए, व हर हाथ को काम मिलना चाहिए। वे इस नारे को लेकर चले थें। वे आखिर मे बुलन्दी को छू गए। किसी भाायर ने ठीक कहा है:—

बड़े भाोक से सुन रहा था जमाना

वही सो गए दास्ता कहते कहतें।

हमने अक्समात सुना कि वे इस संसार से चले गए। केन्द्रीय सरकार ने बड़ी बुद्धिमता की कि अन्तिम संस्कार के लिए राजघाअ के निकट सीान दे दिया। अब तो बाबू जगजीवन राम की भी समाधि वही बनेगी। यह बडी़ खु ाी की बात है कि ऐसे महान सपूतों की याद ऐसे सीान पर होनी चाहिए जहां पर सब लोग आराम से पहुंच सके। स्पीकर साहब, चौधरी चरण सिंह ने जो रास्ता दिखाया है, उसी रास्ते पर हमारे मुख्यमंत्री जी राहगां है। हम प्रभु से याचना करते है कि यह सरकार भी किसान, मजदूर और आम आदमी के हितों के लिए काम करेती रहे और चौधरी चरण सिंह हम सब के लिए एक मार्गद र्ाक बने रहें।

स्पीकर साहब, इसके बाद श्री एम.पी.कौि ाक का प्रस्ताव सदन के नेता व हाउस मे रखा हैं। मै भी अपनी भावनए सदन के नेता के साथ जोड़ता हूं । वे गुड़गांव निवासी थे । वे गुड़गाव मे गुरू द्रोणाचार्य कालेत के प्रिंसीपल रहे। वे हरियाणा विधान सभा से राज्य सभा के लिए सन् 1984 मे चुने गए थें।

स्पीकर साहब, इसके बाद डा.सलीम अली, श्री माखन सिंह तरसिक्का और श्री मुलतान सिंह का नाम भी इस भाोक प्रस्तावों की सूचि मे भाामिल हैं। हरियाणा पहले पंजाब का ही हिस्सा था। ये दोनो महानुभाव पंजाब असैम्बली के मैम्बर होते थें।

मुल्तान सिंह जी करनाल जिले के रहने वाले थे और माखन सिंह तरसिक्का अमृतसर जिले के रहेन वाले थे। सुल्तान सिंह जी बड़े सज्जन और बड़े भद्र व्यक्ति थे। हमारे राजनीतिक मतभेद चाहे उनके साथ रहे हो लेकिन दिवगंत के बारे अच्छा पहलू ही सामन लाना चाहिए।

स्पीकर साहब, माखन सिंह तरसिक्का एक मर्द विधायक हुआ करते थें। वे पुरूश तो थे ही लेकिन उनके साम्यवादी होते हुए भी, राजनीतिक खेमे मे हमारे विरोधी होते हुए भी मै उनके गुणो का प्र ांसक रहा हूं। मै उनके साथ 1962 मे पंजाब असैम्बली मे था।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से चौधरी साहिब राज जी मेरे माननीय मित्र चौधरी देवी लाल जी के बड़े भ्राता थे। उनके निधन का भी इन भाोक प्रस्तावों मे उल्लेख है। स्पीकर साहब, अगर आज वे जिन्दा होते और अपने छोटे भाई को इस गद्दी पर बैठा हुआ देखते तो बड़े प्रसन्न होतें। उन्होने संघर्श समिति के प्रोगामेां मे बड़ी दिलच्सपी ली। जब चौधरी देवी लाल हिसार से दिल्ली तक पैदल गए तो मैने भी उनको संघर्श समिति के कार्य मे बड़ा सक्रिय देखा। सारे अभियान मे हरियाणा के हितो के लिए उनकी सदभावनाए हमारे साथ थी। जब मंजिल पर पहुंचने को आये तो संसार से उठ कर चले गये। स्पीकर साहब, आप जानते है कि प्रभू के सामने किसी का भी जोर नही चलता। हम सदन के सदस्य और सारा प्रदे ा इस दुख मे भाामिल हैं।

स्पीकर साहब, इस प्रस्ताव मे लालडू के पास चण्डीगढ से ऋशिके ा जाती हुई हरियाणा रोडवेज की बस की सवारियों को जिस बेरहमी के साथ आंतकवादियों ने मारा है, उसको भी जिक्र है। आतंकवादियों ने 38 व्यक्तियों का मार दिया जिसको बहुत भारी दुख है। इसी प्रकार से फतेहाबाद के पास दरियापुर मे भी काफी व्यक्तियों की हत्या की गई है। स्पीकर साहब, आतंकवादी दे ाा की जतना मे फूट डालने पर तुले हुए है और भाईचारे को आग लगान पर भी तुले हुए है। मैने इस सदन मे सन् 1984–85 मे भी अर्ज किया था कि केन्द्र सरकार की यह सब से बड़ी नाकामयाबी है क्योकि वह आतकंवाद पर काबू नही पा सकी हैं। अगर पाकिस्तान से लगते हुए सारे बोर्डर को सील कर देते है तो पकिस्तान से आतंकवादी प्र ाक्षण लेकर न आ सकते लेकिन आज केन्द्र सरकार तमा ाा देख रही हैं हरियाणा के मुख्यमंत्री ने केन्द्र ाक जब यह कहा कि हमें केन्द्रीय रिजर्व पुलिस की इतनी बटालियनें चाहिए तो जवाब दिया जाता है कि हमारे पास केवल दो ही बटालियनें अवेलेबल है। इसी तरह से जब कोई केन्द्र का मंत्री वहां घटनास्थल पर जाता है तिो उसके लिए टेलीविजन की टीम ले आते है लेकिन हमारे मंत्रीजाते है तो उन्हे टेलिविजन पर नही दिखाया जाता है। स्पीकर साहब, कल भी मै इस बारे मे मुख्यमंत्री जी से कुछ कहने के लिए खड़ा हुआ था लेकिन आपने कहा कि यह ऐसी बात कहने का मौका नही है। मै तो हमे ाा चेयर के हुक्म का ताबेदार हूं। ( ाोर)

स्पीकर साहब, मै कल कहने जा रहा था कि इस बात मे ऐसी बदबू आती है कि इसमे केन्द्र सरकार का साजि ा है। स्पीकर साहब, मै यह भी कहना चाहूंगा कि सदन के नेता राजीव महोदय को वह कहने मे संकोच नही करेगे कि अगर हरियाणा के भाई चारे मे किसी भी बड़े आदमी ने आग लगाने की या हस्तक्षेप करने की कोि ा ा की तो कानून के जरिए उसे अक्ल दी जाएगी। हरियाणा मे हम भाईचारे का टूटने नही देगें, हरियाणा मे हम भाईचारे को टूटने नही देगें, हरियाणा को बदनाम नही होने देगें। यह चूकि जनता की चुनी हुई सरकार है इसलिए हरियाणा की जनता को हम बदनाम नही होने देगें।

स्पीकर साहब, हमारे मुख्यमंत्री जी ने बड़ी फराखदिली की घोशणा की है कि जिन लोगो को दंगो मे नुक्सान हुआ है उनकी मदद की जायेगी। मेरे ख्याला मे मरने वालो के लिए भी पैसा देने की बाद मै घोशणा की गई हैं। वे कल तो भाायद यह बात यहां नही थे लेकिन बाद मे इन्होने कहा है कि हरेक मरने वाले के परिवार वालें को 20–20 हजार रूपया देगें। यह इन्होनें बड़ी अच्छी बात की है। अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से आतंकवादी कदम उठा रहे हैं क्या इस प्रकार से वे इस दे ा का बंटवारा करवा लेगें। इन आतंकवादीयों को समझना चाहिए कि यह सन् 1987 का साल है और इस साल मे हरियाणा मे किसान, मजदूर और आम आदमी का राज हैं। हम दे ा का बंटवारा नही होने देगें। या कोई नयी टाईप का पाकिस्तान जैसा कोई हिस्सा नही

बनने देगें। यह दे ा एक रहेगा, और भाईचारे मे हम कोई दरार नही पड़ने देगें।

इन भाब्दों क साथ मै इन भाोक प्रस्तावों का समर्थन करते हुए परम पिता परमात्मा से याचना करता हूं कि जो व्यक्ति बसों मे भाहीद हुए है, जो बेगुनाह मारे गये है उन्हे प्रभु सद्गति दे और जिनका कुदरती तौर पर निधन हुआ है उन्हे भी सद्गति दे और समाज को भाक्ति दे कि वह दे ाद्रोहियों का डट कर मुकाबला कर सकें। इन भाब्दों के साथ मै अपना कथन समाप्त करताहूं।

**श्री लछमन सिंह कम्बोज (इन्द्री):** आदरणीय स्पीकर साहब, इस भाोक प्रस्ताव मे एक नाम और जोड़ा जाना चाहिए। सन् 1977 मे श्री बैनीवाल जी विधान सभा के सदस्य चुने गये थें। कुछ हत्यारेां ने सन् 1986 मे घर बैठे उन्हे मौत के घाट उतार दिया था। इस भाोक प्रस्ताव मे उनका भी नाम जोड़ा जायेग। वे पूरी टर्म इस सदन के मैम्बर रहे है।

**श्री अध्यक्ष:** पिछले सै ान मे इनका श्रद्धांजली दी जा चुकी है।

**श्री तैयब हुसैन (ताउडू):** मोतरिम स्पीकर साहब, पिछले विधान सभा सै ान और इस सै ान के दरमियान के पिरियड मे बहुत अहम हस्तियां हमारे बीच मे नही रही है। जो भाोक प्रस्ताव सदन के नेता ने रखा है, मै उससे पूरी तरह इतफाक करता हूं

और सहमति प्रकट करता हूं। आप सब को पता हूं कि चोधरी चरण सिंह जी बहुत महान नेता थें। उन्होने भ्रुरू से लेकर आखिर तक यानद जब तक वे जिवित रहे पिछड़े लोगो के लिए और गांव के लोगो  के लिए जो काम किया, वह सब के सामने है। वे जो महसूस करते थे, वही कहते थे और वही करते थे उनकी करनी और कथनी मे कोई फर्क नही था। जिस ईमानदारी से उन्होने सियासत मे काम किया वह दे ा के सामने है। आपको पता है कि किस तरह से उन्होने जंगे आजादी मे भाग लिया और बाद मे लैन्ड रिफार्म का काम यू.पी. मे किया। उनका किया हुआ काम हमारे लिए मार्गद र्न का काम करता रहेगां। वे एक साधारण फेमिली से उइ कर दे ा के बड़े से बड़े ओहदे पर कायम हुए। मै उनके परिवार के साथ अपनी पार्टी की तरफ से पूरी हमदर्दी प्रकट करता हूं।

स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो दूसरा प्रस्ताव बेरहम और हमरयाना कत्लों के बारे मे रखा है वह बड़ा ही दुखदायी है। लालडू और फतेहाबाद मे जो कत्ल हुए, उनके बारे मे जितनी भी सख्त लफजों मे निन्दा की जाये उतनी ही कम है। इससे ज्यादा बुजदिलाना कोई काम नही हो सकता। जिस तरह से बेगुनाह लोगो की जाने लालडू और दरियापुर मे ली गई है यह बहुत भारी बुजदिलाना बात है। उनके साथ हमारी पार्टी की पूरी हमदर्दी है। स्पीकर साहब, जैसो कि मैने कल भी कहा था कि बहरहाल इस तरह की बाते कहने का मौका तो यह नही है कि इन

कातिलाना हमलों मे करकजी सरकार की साजि ा है लेकिन फिर भी यहां ऐसा कहा गया जो कि बड़ी बेबुनियाद और गलत बात है। इस तरह की बाते इस मौके पर न कही जाये तो ज्यादा अच्छी बात होगी।

स्पीकर साहब, डाक्टर साहब को याद होगा कि जब सैन्टर ने बौर्डर एरिया मे सुरक्षा पट्टी की बात करी तो कुछ मुखलिफ पार्टीज ने इसका विरोध किया था। हमारी पार्टी तो सुरक्षा पट्टी चाहती थी लेकिन कुछ पार्टिया ने मुखालिफत की थी। (विघ्न) जहां तक मुझे याद है लोकदल ने तो जरूर मुखालिफत की थी।

**श्री अध्यक्षः** जो प्रस्ताव हाउस के सामने है उस कोई कन्ट्रोवर्शियल बात नही होनी चाहिए।

**श्री तैयब हुसैनः** जनाब स्पीकर साहब, इन्होने ही पहले कहना भुरू किया था। मैने तो पहले कुछ नही कहा। मै यह कह रहा हूं कि कुछ पार्टिज ने विरोध किया थां।

**श्री अध्यक्षः** आप ऐसा प्रिज्यूम क्यो करते हो कि सैन्टर ने ऐसा किया।

**श्री तैयब हुसैनः** केन्द्र सरकार की बात आयी तो मैने यह बात कही।

**श्री रामबिलासः** स्पीकर साहब, ये बाते अब कहने का मौका नही है। वे श्रद्धांजलि दें।

**श्री तैयब हुसैनः** स्पीकर साहब, मै यह बात इसलिए कहता हूं क्योकि डाक्टर साहब ने पहले ऐसी बात कही है जो कि मुनासिब नही थी। उन्होने इस मौके पर गलत और बेबुनियाद बात कही। (विघ्न) स्पीकर साहब, जिस तरह से जो वाक्यात हुए है और जिस ढंगा से हुए है वे गलत हुए हैं। उसके बारे मे बार बार प्राईम मिनिस्टर ओर होम मिनिस्टर ने कहा है कि सूबे की सरकार को जितनी भी सहायता की जरूरत होगी वह हम करेगें। (व्यवधान व भाोर) हरियाणा सरकार इसको दबाने की जो कोि ा ा करेगी, हमारी पार्टी और हम अपनी तरफ से भी पूरी तुआवन करेगे। मै इस बात का सदन के नेता को यकीन दिलाता हूं।

कौि ाक साहब राजय सभा के मैम्बर थे। वे अब हमारे दरमियान नही रहें। बहरहाल, जब वे हमारे द्रोणचार्य कालेज और सनातन धर्म कालेज मे उस्ताद थें तक हम उनसे पढा करते थें। (व्यवधान व भाोर) मै तो वहा पर पढा हुआ हूं। उस वक्त जब हम तालीबेइल्म थे, उस वक्त वे उस्ताद थे। उसके बाद वे प्रिसिंपल हुए। मेरे कहने का मतलब यह है कि वे वहां पर प्रिसिपल हुए। गांव का नाम भोखपुर नही बल्कि ि ाकोहपुर है। जहां पर वे पैदा हुए थें। उन्होने तालीम के मामले मे जो काम किया वह काबिले तारीफ है। उनकी जो अचानक मौत हुई है, उसके लिये मै अपनी

पार्टी की तरफ से इजहारे अफसोस करता हूं और पंसमादागान के साथ सहानुभूति प्रकट करता हूं।

डाक्टर सलीम अली की मौत से कुदरत के नजारों मे जिनको कुछ लगाव था, उनको बहुत धक्का लगा है। उन्होने अपने फिल्ड मे ज्यादा काम किया। उनके बारे मे जो सदन के नेता ने बाते कही है मै उनसे सहमति जाहिर करता हूं।

इसके बाद सर्वश्री मुल्तान सिंह, माखन सिंह तरसिक्का और सतनाम सिंह बाजवा के बारे मे मै यह अर्ज करना चाहता हूं कि मैने इनको करीब से देखा है। इम इकट्ठे मैम्बर थें। तीनों साथी अपने अपने फील्ड मे काम किया करते थें। चौधरी मुल्तान सिंह तो करनाल के थें। तरसिक्का साहब के बारे मे जैसे अभी मंगल सैन जी ने भी कहा कि वे मर्दानगी से अपनी बात हाउस मे कहा करते थें। जिस बात को वे महसूस करते थे, उसकों वे पूरे जोर से उसी वक्त कहा करते थें। बाजवा साहब कादियां के थें। तीनो के साथ मै रहा हूं। अपनी पार्टी की तरफ से और अपनी तरफसे उनकी मौत पर इजहारे गम करता हूं और पसममादागान के साथ सुहानूभूति प्रकट करता हूं।

आदरणीय  चौधरी साहिब राम जी हमारे बुजुर्ग थें। जब भी उनसे मिलना होता था, बड़े प्यार से मिलना होता था। अखिरी मुलाकात मेरी उनसे गुड़गांव मे हुई थी। हमारें वालिद मरहूम के साथ इनको रहने का इत्फाक हुआ था। उनका जंगे

आजादी मे बहुत हिस्सा रहा। उनके जाने से एक ऐसा आदमी हमारे दरमियान से उठ गया हे जिसके लिये हमे बेहद अफसोस हैं ओर पसमांदागान के साथ पूरी हमदर्दी है। इन अलफाज के साथ सदन के नेता ने जो प्रस्ताव हाउस मे रखा है उसमे मै अपने आपको भारीक करता हूं।

**11.00 बजें**

**वित्तमंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता):** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, भाोक प्रस्ताव मे जिन नेताओं को और साथियों का जिक्र किया गया है, जो बाते उनके जीवन की भाानदार कारगुजारियों के बारे मे कही गयी है मै उनको दोहराना नही चाहता। लकिन कुछ नेताओं के साथ मेरा व्यक्तिगत सम्पर्क और सम्बन्ध रहा है उनकी मै इस सदन मे अव य चर्चा करना चाहता हूं। चौधरी चरण सिंह जी इस दे ा के महाने नेता थे। किसान के गाीब के और पिछड़े वर्ग के प्रति उनके दिल मे कितनी हमदर्दी थी, कितनी सहानुभूति थी, इस बारे मे सदन के नेता ने और डाक्टर मंगल सैन जी ने कहा है। मै यह बतलानाचाहता हूं कि प्रथम बार सन् 1958 मे मेरा चौधरी साहब के साथ व्यक्तिगत परिचय हुआ। नागपुर मे कांग्रेस का अधिवे ान था । मै भी ए.आई.सी.सी. का मैम्बरर था। चौधरी साहब भी ए.आई.सी.सी. के मैम्बर थे। हमारी दोनो की सीटे साथ साथ थी। जब उनसे बातचीत हुई तो पता चला कि चौधरी चरण सिंह, जिनका नाम सारे दे ा मे उस समय भी विख्यात था मेरे पास बैठे हुए है। आप सब भाईयों का याद होगा कि हमारे

तत्कालीन प्राईम  मिनिस्टर पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नागपूर अधिवे ान के अन्दर कौलेक्टिव फार्मिंग तथा कोआप्रेटिव फार्मिंग का प्रस्ताव रखा ाि। जब यह प्रस्ताव ए.आई.सी.सी. के सै ान मे आया तो चौधरी चरण सिंह जी मुझसें कहने लगे कि मै तो इसका डटकार विरोध करूंगा क्योंकि हिन्दस्तान का वातावरण या भारतवर्श ऐसा नही है कि यहां पर कृशि के धधें को सहकारिता के आधार पर चलाया जा सके। इसमे बहुत बुराईया है तथा बहुत त्रुटियां है। उन्होने कहा कि मुझे इस बात का यकीन है कि वे मुझे समय नही  देगे क्योंकि उनका पता है कि मेरी इस सब्जैक्ट पर मास्अरी है। जो दलील मै यहा पर दूंाग और जो तक। मै यहा पर प्रस्तुत करूंगा, उसका उनके पास कोई जवाब नही हैं। चौधरी साहब की बैठक भाुरू हुई तो उन्होनें प्रयास किया, मंच पर  गयो और समय हासिल किया। उस वक्त मुझे याद है चौधरी देवी लाल जी भी हमारे साथ उस अधिवे ान मे भाामिल हुए थें। हमारे सदन के नेता को यह भी याद होगा कि उन्होने बड़े अच्छे ढंग से उस प्रस्ताव का विरोध किया और इतने अकाट्य तथ्य प्रस्तुत किये कि पंडित जी के पास तथा कांग्रेंस के अन्य नेताओ के पास उनका कोई जवाब नही था। मेरे कहने का मतलब यह है कि कृशि के मामले मे किसान के मामले मे जितना अध्ययन उनका था जितनी जानकारी उनकी थी, उतनी मै समझता हूं कि भाायद ही दे ा के अन्दर किसी दूसरे व्यक्ति की रही हों। उन्होने एक बड़ी भारी पुस्तक भी दे ा की अर्थिक समस्याओं के बारे मे लिखी हैं, जिसमे उन्होने किसानो की समस्याओं के बारे मे भी जिक्र किया हैं।

अध्यक्ष महोदय, सदन के सम्मानित सदस्यों को मै यह भी बताना चाहता हू कि चौधरी चरण सिंह जी एक ऐसे महान नेता थे जिन्होने गांधीवादी अर्थ व्यवसाि की हिमायत की। वे हमे ाा काटेज इंडस्ट्री, घरेलू उधोग के हिमायती थें। बड़े बड़े उधोगों का, जिन पर बड़े बड़े पूंजीपति छाये हुए हे वे हमे ाा विरोध करते रहें। वे इस बात को जानते थे कि इस दे ा के अन्दर लोखों करोड़ा व्यक्ति बेराजगार है। पढे लिखें नौजवानो और अनपढ नौजवानो को काम देने का एक मात्र तरीका यह है कि गृह उधोगों को प्रोत्साहित किया जायें। कौटेज इंडस्ट्रीज घर घर के अन्दर खोली जायें। यही आर्थिक व्यवसाि गांधी जी ने सारे मुल्क के अन्दर प्रस्तुत की थी। अध्यक्ष महोदय, मै आपकों और सदन को यह भी बताना चाहता हूं कि हरियाणा के साथ उनका कितना प्यार या कितना लगाव था। इस बात को सभी जानते है कि जब पंजाब समझोता हुआ ओर उसके अन्दर हरियाणा के साथ अन्याय हुआ तो एक की ऐसा नेता था जिसने उसके खिलाफ आवाज उठायी और यह कहा कि हमे अन्याय के विरूद्ध संघर्श करना चाहियें। सदन के नेता चौधरी देवी लाल जी ने भी उनके स्वर मे स्वर मिलाते हुए संघर्श का झंडा बुलन्द किया ओर अन्याय का विरोध किया। इन्होने यह कहा कि हम हरियाणा के हितो के खिलाफ किसी भी प्रकार का अत्याचार या अन्याय सहन नही करेगें। मेरे कहने का मतलब यह है कि हरियाणा के इतने बड़े हितैंशी, गांधीवादी अर्थ व्यवस्था के इतने बड़े हिमायती, किसान, मजदूर और बैकवर्ड क्लासिज के इतने अच्छे मित्र हमारे बीच मे

हमे ाा कै लिये उठा गये है। इस बात को हमे बड़ा भारी दुख हैं दुख के साथ साथ मै यह समझता हूं कि जो क्षति या जो नुक्सान गरीब जनता का और किसान का उसके चले जाने से आज हुआ है। वह पूरा नही हो सकेगो ऐसी मुझे आ ांका है।

दुसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि चौधरी साहिब राम जी के साथ मेरा व्यक्तिगत सम्पर्क रहा है। उनका मेरे प्रति बड़ा स्नेह था। आजादी से पहले से मै उनको जानता हूं। हमारे पुरान साथी, जिन्होने स्वाधीनता प्राप्ति के संघर्श मे योगदान दिया है। वे इस बात को जानते होग कि हरियाणा के अन्दर यह म ाहूर था कि चौआल के दो भाई है राम और लक्षमण जो आजादी की लड़ाई मे पूरा हिस्सा ले रहे है। यह मिसाल दोनो भाईयों पर फिट बैठती थी क्योकि साबि राम का स्वभाव भगवान राम की तरह बडा़ गम्भीर था और चोधरी देवी लाल का तो आप जानते ही है लक्षमण की तरह तेज तर्रार स्वभाव रहा हैं। चौधरी साहिब राम जी ने स्वाधीनता प्राप्ति के संघर्श मे जो कुर्बानी दी है, वह आजादी के इतिहास मे सदैव समरणीय रहेगी। उसके प चात उन्होनें विधायक के तौर पर पंजाब की राजनीति मे योगदान दिया। लोगो के साथ उनका व्यवहार बहुत ही अच्छा था। स्पीकर साहब, वे एक बहुत ही व्याहारकु ाल व्यक्ति थें। मुझै उनकी मौत का सब से अधिक अफसोस इसलिए हुआ था कि जिस रोज उनकी मृत्यु हांई उसी दिन दो घंटे तम मेरी उनसे बातचीत होती रही। इत्तफाक ऐसा हुआ कि मै हरियाणा भवन गया। उस

वक्त चौधरी देवी लाल जी वहा नही थे। चोधरी साहिब राम उनके कमरे मे अकेले ही बैठे थें। आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक के हालात के बारे मे दो घंटे तक मेरी उनसे बातचीत होती रही। इसके बाद वे करनाल चले गए ओरी अगले दिन जब अखबार मे उनके निधन का दुखद समायार आया तो यकीन नही आया। स्पीकर साहब, चौधरी साहिब राम जी आज हमाारे बीच मे नही रहे और सदा के लिए हम उनसे वंचित हो गए। हरियाणा की राजनीति से संबंधित इतनी बड़ी सुझबूस वाले तथा धीर–गम्भीर व्यक्ति के चले जाने से हमारा जो नुकसान हुआ हे वह बहुत बड़ा नुकसान है और इसकी क्षति पूर्ति होना मु कल है।

अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मे हरियाणा के अन्दर जो दर्दनांक बस दुर्घटना हुई है उसका जिक्र करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की भूमि पर तथा लालडू मे हरियाणा रोडवेज के बस यात्रियों के साथ इतना कारयतापर्ण अपराध हुआ, जिसकी जितनी निन्दा की जाए वह कम है। इस कायरतापर्ण कार्यवाही मे निर्दोश व्यक्तियों, अबोध तथा दूध–मुहे बच्चों का इतनी बेरहमी से कत्ल किया गया जिसकी मिसाल नही मिलती। अभी डाक्टर मंगल सेन ने एक बात कही जिस पर चौधरी तैयब हुसेन ने आपत्ति की। अध्यक्ष महोदय, पहली बात तो मै यह कहना चाहता हूं कि भाोक प्रस्ताव के ऊपर किसी प्रकार की कोई कान्ट्रोवर्सी और विवाद नही होना चाहिए। लेकिन एक बात मै जरूर कहूंगा कि जिस ढंग से यह दुर्घटना हुई इगर हम उस पर विचार करे और गहराई से

सोचे तो इसके अन्दर हमें ाडयन्त्र की बू नजर आती हैं। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहे बिना नही रह सकात कि हरियाणा के अन्दर आज तक इतनी दर्दनाक घटना नही हुई और इतना नरसंहार कभी नही हुआ। पंजाब मे ऐसी घटनाए हुई है लेकिन हरियाणा के अन्दर नही हुई। ताज्जुब की बात है कि नई सरकार को बने अभी जुम्मा–जुम्मा सात दिन ही हुए थे और मुख्यमंत्री जी एक दिन पहले ही चण्डीगढ आए थे, अभी सचिवालय के पदाधिकारियों का परिचय ही प्राप्त किया था ओर उसी रोज इस प्रकार की घटना हो, यह बड़े आ चर्य और दुख की बात हैं। किस प्रकार एक केन्द्रीय मंत्री नाटकीय ढंग सें घटना स्लि पर पहुंचे उसको देखकर भांका पैदा होती हैं। जिस ढंग से दुरद र्न की टीम को लेकर वे आएण और दूरद र्न की टीम ने इस कांड को इस तरह से कवर किया जैसे किसी फिल्म की भ्ाूटिंग होती है उसको देखकर भांका होना लाजमी है। ''चौधरी साहब, आप इस तरह से खड़े हो जाआ, चौधरी साहब, बापने उस पे ोन्ट से क्या कहा था? आप दुबारा वही बात कहें।'' इस तरह की बात वहां हुई जैसे भ्ाूटिंग के अन्दर बार बार रिटेक किया जाता हैं। वहा इस प्रकार से नाटक किया गया। अध्यक्ष महोदय, इस चीज को देखकर आ चर्य होता है कि कही कुछ गड़बड़ है। चौधरी तैयब हुसेन मेरे बड़े सम्मानित मित्र हैं। मै उनसे प्रार्थना करूंगा कि वे इन सब बातों पर गहराई से विचार करे। यह सारा नाटक इस बात को सोचने पर मजबूर करता है कि यह दर्दनाक घटना इस प्रकार और उसी रोज कैसे हुई जिस दिन हमारे नेता राजधानी मे आए

और ऐडमिनिस्ट्रै ान के काम को अपने हाथ मे लिया? अध्यक्ष महोदय, उसी दिन हमारे कांग्रेस के भाई चौधरी देवी लाल से इस्तीफा देने की मांग करते है। कहते है कि चौधरी देवी लाल चूकि हालात को कंट्रोल करने मे सफल नही हुए इसलिए इनको इस्तीफा देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यह ता वही ढाचा है तो आठ नौ साल से कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस की सरकार चला रही थी। वही पुराने औफिसर्ज है ओर उनको हम पूरी तरह से अभी बदल भी नही पाए थे। अभी वही पुरानी व्यवस्था थी कि अचानक ऐसी घटना हो गई जिससे कि ाडयन्त्र की बू आती हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए चौधरी साहब को यदि दोशी ठहराया जाए तो इससे बड़ी दुख की बात और कोई नही हो सकती। अध्यक्ष महोदय, मै अधिक समय न लेता हुआ चौधरी चरण सिंह, श्री कौि ाक साहब तथा दूसरे साहिबान को अपनी श्रद्धांजली अर्पित करता हूं और उन परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं जिनके सदस्य इस जघन्य घटना के ि ाकार हुए है। इन भाब्दों के साथ, मै एक बार फिर भारी मन से सभी परिवारों के प्रति संवेदना तथा भाोक प्रकट करता हूं।

**श्री भागी राम (ऐलनाबाद, अनुसूचित जाति):** अध्यक्ष महोदय, आदरणीय चौधरी देवी लाल ने जो भाोक प्रस्ताव सदन मे रखा है मै भी अपने आपको उसके साथ भाामिल करता हूं। इस प्रस्ताव मे चौधरी चरण सिंह, श्री एम.पी. कौि ाक, डा. सलीम अली, श्री मुलतान सिह, चौधरी साहिब राम, श्री माखन सिंह और

लालडू तथा फतेहाबाद के पास दरियापूर की घटनाओं मे जो लागा मारे गए उनका जिक्र आया हैं। मै अपवनी श्रद्धांजलि उनको अर्पित करता हूं।

स्पीकर साहब, इस लिस्अ मे हमारे एक साथी श्री जगदी ा बैनीवाल, जिनका नाम भूल से रह गया है, के बारे मे एक मिनट मे मै कुछ कहना चाहूंगा। श्री जगदी ा बैनीवाल सन् 1977 से 1982 तक मेरे साथ एम.एल.ए. रहे थें।

**श्री अध्यक्षः** श्री बैनीवाल का नाम पिछले सै ान के औबिचुअरी रैफरैन्सिज मे आ चुका है।

**श्री भागी रामः** स्पीकर साहब, हमारा इक्ट्ठा ही आना जाना था। वे मेरे घनिश्ट दोस्तो मे से थें। कुछ भारारती तत्वों ने ओर मुझे तो यह कहने मे भी संकोच नही है कि कुछ प्रभाव ाली लोगो ने किसी तरीके से कह सुन कर उनका मर्डर करवा दिया। उसके बाद हमारे आदरणीय चौधरी देवी लाल वहां के माहौल को देखकर और लोगो की मांग को देखकार डैथ वाले दिन ही लेागो को आ वासन दे आए थें कि आने वाले चुनाव मे श्रीमती विधा बैनिवाल को चुनाव लड़ाया जाएगा। अध्यक्ष महोदय आप सच मानिए श्री बैनिवाल को गोली लगी और यह खबर सिरसा मे मिली उस दिन वहां एक बच्चा भी ऐसा नही होगा जिसकी आखों मे आसूं न आए हों। उनके निधन से सिरसा जिला एक अनुभवी ओर येाग्य व्यक्ति से वंचित हो गया। मै अपनी ओर से उनको श्रंद्वाजली

अर्पित करता हूं तथा दूसरी दिवंगत आत्माओं को भी श्रद्धांजली अर्पित करता हूं।

**श्रीमती कमला वर्मा (यमुनानगर):** अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता चौधरी देवी लाल ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है उसमे चौधरी चरण सिंह का नाम आया है। चौधरी चरण सिंह राजनीति के अन्दर अपना एक व्यक्तित्व रखते थे। उान्होने लोगो को एक नई दि ाा दी थी। वे किसान और मजूदरों के नेता थे और सदैव उनके दुख और दर्द को बांटते रहें। भाायद यही कारण है कि जब वे केन्द्रीय गृह मंत्री बने तो अपने कैबिनैट क साथियों की मत्रंणा से किसानो को जो इन्होने राहते दी वे आज तक मौजूद है। वे एक कु ाल राजनीतिज्ञ थें। वे चाहे किसी भी पद पर प्रान्त मे या केन्द्रीय सरकार मे रहें उन्होने हर काम बड़ी कु ालता और क्षमता से निभाया। ऐसा राजनैतिक नेता जो दे ा की राजनीती पर छाया हुआ था, अचानक इस संसार से चला जाए ता किसको उनकी कमी नही अखरेगी और किसको दुख नही होगा? इसी तरह से श्री एम.पी.कौि ाक, संसद सदस्य, जोकि ि ाक्षाबिद थें, अच्छे राजनेता थें। उन की सेवाओ से आत हम वंचित हो गये है। डाक्टर सलीम अली, राज्य सभा सदस्य, श्री मुल्तान सिंह और श्री माखन सिंह इन सब महान हस्तियों के प्रति मै अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

इससे आगे मै चौधरी साहिब राम जी के बारे मे भी कुछ कहना चाहूंगी। 1977 के अनदर मै उनके समीप आयी थी। वे

बहुत ही कु ाल और अनुभवी इन्सान थें कि  कौन सा सदस्य किस प्रकार से बोलता है तो वापिस जाने पर वे बड़ प्यार से समझाया करते थें कि ऐसे नही ऐसे करना है। बड़े ही कम लोगों मे यह सहिश्णुता और धैर्य होता है जिससे वे दूसरों को कुछ सिंखाने का प्रयास करते है। भाायद आज जा यह हरियाणा हम देख रहे है इसमे चौधरी साहिब राज जी का भी प्रमुख हाथ रहा है। जीवनव के अन्दर राजनीति उनका एक अंग बन गयी थी इसी कारण से इतनी बड़ी उम्र मे वे निश्क्रिय नही बैठ सके और जब भी संघर्श समिति के माध्यम से , हरियाणा के लोगेां को हरियाणा के हितों के लिये अन्दोलन करना पडा तो व मांर्ग द र्ान करते हुए हर आन्दोलन करना पड़ा तो वे मार्ग द र्ान करते हुए हर आन्दोलन मे अग्रीण रहें। अभी डाक्टर मंगल सैन जी से भी कहा कि हमें इस बात का बडा़ ही दुख है कि संघर्श समिति के आन्दोलन के बाद जब उसका परिणाम सामने आया, आ ज जितने बहुतम से लोगों ने कांग्रेस का उखाड कर फेंक दिया, वे इस स्वप्न का, वास्तविक्ता को अपनी आखों से नही देख पाए। मै उनके प्रति अपने सच्ची श्रद्धांजली अर्पित करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, लालडू और फतेहाबाद के अन्दर नृ ांस हत्याकांउ हुए है।, उससे किसा के रौंगटे खड़े नही हो जातें। मै लालडू गई थी और वहां पर भारत के गृह मंत्री सरदार बूटा सिंह व श्री रिबैरों भी आये हुए थें। जब हमने उस बस को देखा तो उस बस की एक सीट रक्त से रंजित थी, वहां भाव नही थें पर

लगता था, जैसे अभी भी भाव पड़े हुए हैं और चीत्कार करते हुए अपने जीवन की भीख मांग रहे हों। इनता नृ ांस कांड, एब अढाई दो साल के बच्चे की रक्त रंजित चप्पल देखकर किसी का दिल दहले बिना नही रह सकता है। अध्यक्ष महोदय, मुट्ठी भी लोग आज दे ा के अन्दर इस प्रकार से आतंक फेला कर अपना एक प्रभाव दिखाना चाहते है। यह मानवता नही है यह एक प्रकार की दानवता है। लालडू की बस की घटना का अभी हम भूला भी नही पाए थे कि फतेहाबाद के अन्दर इतनी ही बड़ी घटना घट गयी। अभी मेरे भाई बनारसी दास जी ने कहा कि हरियाणा की इस नई सरकार को चुनौती देकर अगर कांग्रेस सरकार गल्त हथकण्डे अपनाएगी तो उसको सहन करना बड़ा कठिन है। इतने लोगेा का इक्ट्ठा मार देना और फिर महिलाओं और बच्चों को भी न छोड़ना, इससे बड़ा और जघन्य अपराध व पाप अन्य क्या हो सकात हैं? इसलियें मै इन सभी दिवंगत आत्माओ के लिये प्रभु से प्रार्थना करती हूं कि प्रभू इनका सद्गति दे और दिवंगत आत्माओ के और जो पीछे परिवारजन है उनको भी दुख सहने की भाक्ति दें। धन्यवाद।

**श्री रत्न लाल कटारिया(रादौर, अनुसूचित जाति):** अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता चौधरी देवी लाल जी ने इस सदन के सम्मुख जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै उास सम्बन्ध मे अपने विचार रखने के लिए खड़ा हुआ हूं। सब से पहले मै चौधरी चरण सिंह जी के बारे मे दो भाब्द कहना चाहूंगा। चौधरी चरण सिंह जी

ने जिस प्रकार प्र ाानिक स्तर पर दे ा की सेवा की, वैसे ही आर्य समाज के एक महना नेता के रूपा मे भारत के अन्दर से छुआछूत की समाप्त करने के लिये भी एक बड़ी भूमिका निभायी है। इसके लिये उन्हे भूलाया नही जा सकता। वे बड़े महान नेता थें। उन्होने अपने घर के अन्दर एक हरिजन को अपने रसोईया के रूप मे रखा हुआ था। यह सर्वविदित था कि किस प्रकार से उन्होने इस दे ा के अन्दर से छुआछूत को दूर किया। जितनी भी सामाजिक बुराईया थी, उनको मिटाने के लिये उनको दूर करने के लिये सहयोग को हम कभी नही भूला सकतें। भारत के गरीब मजदूर, किसान और पिछड़े लोगो के बारे मे उनके दिल मे इतनी तड़प थी, जिसको कभी भूलाया नही जा सकता।

इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, श्री एम.पी. कौि ाक, डा. सलीम अली, श्री मुलतान सिह, श्री माखन सिह व चौधरी साहिब राम जी व जो दूसरी दिल दहला देने वाली लालडू और फतेहाबाद की घटनाए हुई है, इनमे जो दिवगंत आत्माए गई है उन सब के प्रति मै तहेदिल से श्रद्धांजली अर्पित करता हूं। मै भगवान से प्रार्थना करता हूं कि इन दिवगंत आत्माओं को सद्गति दे और इनके भाोक संतप्त परिवारो को यह दुख सहने की भाक्ति दे। धन्यावाद।

**श्री सुभाश चन्द (पलवल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै भी उस मे अपने आपको भाामिल करता हुआ सदन के सम्मुख अपने विचार रखना

चाहता हूं। चौधरी चरण सिंह जी ने किसानो के मजदूरो के और हिन्दूस्तान के आम आमदी के मन मे जीने की ललक सी पैदा कर दी थी। आज वे हमारे बीच मे नही है इसके लिये हमे बड़ा खेद है लेकिन उनके द्वारा भुरू किये गये कार्यो को हमारे माननीय नेता चौधरी देवी लाल जी ने भुरू किया है। मै प्रार्थना करता हूं कि भगवान दिवंगत आत्मा को सद्गति दें।

इसी तरह से श्री एम.पी.कौि ाक, डा.सलीम अली, मुल्तान सिंह जैसे महत्वपूर्ण व्यक्ति भी आज हमारें बीच मे नही है। मै उनके प्रति भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भगवान से उनकी सदगति की प्रार्थना करता हूं। इससे आगे मै चौधरी साहिब राम जी के निधन पर भी गहरा दुख प्रंकट करता हूं। एक दिन मैने उन से कहा कि ताऊ जी आप इतनी बड़ी उम्र मे भी इतनी मेहनत करते है, आपको तो आराम करना चाहियें। वे मुझ से कहने लगें, ''बेटा मुझ से घन नही रहा जाता, मेरा मन करता है कि आप जैसे नौजवानो के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर चलू'' इस उम्र मे भी उनके कितने उच्च विचार थें। उसके ऐसे विचारों से हम जैसे लोगों को काम करने के लिये प्ररेणा मिलती हैं।

अध्यक्ष महोदय, जो घटनाए लालडू और फतेहाबाद मे हुई हैं वे वाकई दिल दहला देने वाली घटनाए हैं। इन घटनाओं मे जो दिवंगत आत्माए चली गयी है उनके प्रति अगर कोई सच्ची श्रद्धांजली मै समझता हूं तो वह यह है कि हम आगें के लिये अपने

मे इतना साहस पैदा करे, इतने चौकन्ने हो कि भविश्य मे ऐसी घटनाए न हो और आने वाले समय मे कोई भी व्यक्ति इन दरिन्दों का ि ाकार न बनें। इससे बढकर सच्ची श्रद्धांजलि इन महान आत्माओं के प्रति और कोई नही हो सकती।

अध्यक्ष महोदय, अन्त मे एक और बात मै सदन के नेता से कहूगा कि संघर्श समिति के कार्य के दरमियान तीन महान आत्माए, श्री औम प्रका ा गोयल, श्री धर्म सिह व श्री बलबीर सिंह, भाहीद हुई है। आज हमारा यह परम कर्तवय बनता है कि हम उनके प्रति भी इस हाउस मे श्रद्धांजलि अर्पित करें। धन्यवाद।

**श्री रघु यादव (रिवाड़ी):** अध्यक्ष महोदय, दुभाग्र्य की बात है कि आजाद भारत के भाासको ने अग्रेजो की नीति को जारी रखते हुए ग्रामीण भारत और वहां पर बसने वाले किसानो की अपेक्षा जारी रखी जिसके कारण ग्रामीण भारत मे गरीबी, बेरोजगारी और लाचारी बढती चली गयी। चौधरी चरण सिंह जी ने गांवों और भाहरों की ओर राश्ट्र का ध्यान आकर्शित किया। उन्होने गांवो और भाहरो के बीच नव भारत के भाासको द्वारा पैदा की गयी खाई को पाटने के लियें भाहरौं के बीच नव भारत भाासकों द्वारा पैदा की गई खाई को पाटने के लिये स ाक्त व कारगर आवाज उठायी ताकि गांवो मे विकास का सिलसिला तेजी से जारी हो, गांव भाहर के बीच का अंसतुलन मिटे और सरकार अपनी योजनाओ मे मानव को म ाीन पर तरजीह दें। यसही चौधरी चरण सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अगर इन सभी बातो

पर सरकार ध्यान दे तो यही इस दे ा के दिवंगत नेताओ को उसकी सच्ची श्रद्धांजलि हो सकती है।

अध्यक्ष महोदय, 6 ओर 7 जुलाई को क्रम ाः लालडू और फतेहाबाद के पास आतंकवादियों को बह ाी व कायरतापूर्ण कार्यवाही मे निर्दोश व निहतथें जिन बस यात्रियों की हत्याए हुई है, उनके परिवाजन के प्रति सच्ची संवेदना यही होगी कि हम दे ाद्रोही, आतंकवादी तत्वों के पूर्ण सफायें का संकल्प ले और इन भारारतपूर्ण व नियोजित साजि ाों के पीछे जो दे ाी–विदे ाी हाथ है उसका पूरी तरह से पर्दाफा ा करें।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से वयोवृद्ध किसान नेता चौधरी साहिब राम जी और पक्षी विज्ञान सम्बन्धी खोज मे अतुलनीय योगदान देने वाले प्रकृति प्रेमी डा. सलीम अली व अन्य दिवंगत नेताओं को सदन के नेता चौधरी देवी लाल द्वारा पे ा की गई श्रद्धांजति मे भााामिल होते हुए मै परम पिता परमे वर से प्रार्थना करता हूं कि इन दिवंगत आत्माओं को भााति दे। धन्यावाद।

**श्री हीरा नन्द आर्य (लोहारू):** अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता जी ने जो भाोक प्रस्ताव पे ा किए है ये उन विभूतियों के प्रस्ताव है जो पिछले सै ान और इस सै ान के बीच के समय मे इस दुनियां से चले गए है। अध्यक्ष महोदय, इनमें से एक महान विभूति स्वर्गीय चरण सिंह जी हैं जिन्होनें आखरी दम तक जिन्दगी

के साथ संधर्श किया। उन्होने यू.पी. को और सारे देश को अपनी प्र ाासनिक योग्यता और राजनैतिक योग्यता से मार्ग द र्ान दिया। उन्होने दे ा के पिछड़े वर्गों के लोगों को ऊपर उठाने में बड़ा भारी योगदान दिया। अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान के कुछ लोग उनके राजनैकित विचारों मे मतभेद रख सकते थें लेकिन जो सेवाए इस दे ा को उन्होने दी, उनमे सब से बड़ी सेवा इस पूजीवादी व्यवस्था मे यह थी कि दे ा मे कम्यूनिस्ट आर्थिक नीति छोटे उधोग धन्धों को बढावा देने की तथा बेरोजगारी को मिटाने की दी। इसको यदि एक महाने उपलब्धि कहा जाए तो कोई अति योक्ति नही होगी। वे हर समय चिन्तित रहते थे कि किस प्रकार देहात के पिछड़े और भाोि ात वर्गो का ऊपर उठाया जाए। वे एक बहुत बड़े समाज सुधारक थें। एक आर्य समाजी होने के नाते उन्होने अपनी जिन्दगी मे छुआ छुत को मिटाने के लिए बहुत कुछ किया। उन्होने अन्तर्रातीय विवाह के लिए भी बहुत जोर दिया था। इस महान विभूति का हरियाणा से भी वि ोश लगाव था। जब राजीव–लौगोवाल प्रस्ताव आया तो चौधरी देवी लाल जी ने कहा आया तो चौधरी देवी लाल जी ने कहा कि इससे तो हरियाणा तबहा हो जाएगा और ऐसी हालत मे हमारे लिए विधान सभा मे बैठना ठीक नही है। चौधरी देवी लाल जी ने चौधरी चरण सिंह जी को कहा कि हम सभी त्यागपत्र देना चाहते, तो चौधरी चरण सिंह जी ने इस बात को इजाजत दे दी। उसके बाद सभी विधायकों ने विधान सभा से त्याग पत्र दे दिये। वे त्यागपत्र मंजूरप हुए या नही, यह अलग बात है। उनके प्रति हमारी सच्ची

श्रद्धांजली तभी होगी जब हम उनके गुणा और आद ार्ो का पालन करेगें। अगर हम केवल रस्म आदयगी करके चलेगे तो उससे कोई लाभ नही होगा। अध्यक्ष महोदय, इनके अलावा और भी कई महान विभूतियां हमारे बीच मे से चली गई हैं श्री मुलतान सिह का 1967 से मेरे साथ वास्ता रहा, वे बहुत अच्छे आदमी थें। चौधरी साहिब राम जी का जिस रोज देहान्त हुआ उसी दिन उसके साथ मेरी दिल्ली मे मुलाकात हुई थी। वे मेरे से बड़े महान हृदय और प्यार से पूछ रहे थे कि तुम किस प्रकार काम कर रहे हो और बता रहे थे कि आपको क्या करना चाहिए। आज उनका हमारे बीच मे न होना हमारे लिए बहुत गम की बात है। इसी तरह से और भी महान विभूमियां हमारे बीच मे से चली गई है। हम उनके बताए हुए रास्ते पर चलें ताकि हम समाज का सुधार कर सकें। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों जो बस दुर्घटनाए हुई ये कोई साधारण दुर्घटनाए नही है। 6 और 7 तारीख को जो घटनाए हुई उनके पीछे एक सोची समझी साजि ा थी। हरियाणा की जनता ने एक नई सरकार बनाई। इस सरकार के बनने पर जनता खुि ायां मना रही थी लेकिन इस रंग मे भंग डालने की यह एक साजि ा है। समाज के सभी लोग जो सामप्रदायिकता के विरोध के हामी हैं उन सब का पार्टी लाईन को छोड कर इसकी निन्दा करनी चाहिए। यह दे ा के लिए बहुत खतरनाक बात है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने आदे ा दिए हैं जिन लोगों ने लूट की है उनके साथ सख्ती की जाए। यह अच्छी बात है। अन्त मे मै यही कहूंगाः—

श्रद्धा के सुमन चढाऊं, सत बार करूं अभिनन्दन,

तेरे पैरों के रजकन, मेरे माथे का चन्दन।

**सवश्री धर्म सिंह, बलबीर सिंह तथा ओम प्रका ा गोयल–हरियाणा संधर्श समिती के कार्यकर्ता**

**सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह):** स्पीकर साहब, इससे एक बहुत बड़ी भूल हो गई। जब हरियाणा प्रान्त के साथ अन्याय किया गया और चौधरी देवी लाल जी ने संघर्श की बागडोर संभाली तो उस संघर्श के दौरान हरियाणा प्रान्त ने अपने तीन सपूतों को खो दिया था। उनके नाम है श्री धर्म सिंह, श्री बलबीर सिंह और औम प्रका ा गोयल। इन भाहीदों के बारे मे सदन मे प्रस्ताव नही आ सका। उस भूल को दुरूस्त करने के लिए मै सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि एक प्रस्ता उनके लिए भी पे ा करने की इजाजत दी जाए।

स्पीकर साहब, संघर्श चल रहा था और संघर्श समिति की ओर से आवाहन किया गया था कि हरियाणा बन्द रहेगा। हरियाणा बन्द हुआ और ऐसा बन्द हुआ कि आज तक उसकी इतिहास मे मिसाल नही मिलती। एक एक बाजार बन्द था, एक एक मार्किट बन्द थी, एक एक दुकान बन्द थी, सारे रास्ते बन्द थे और सुनसान पड़ी हुई थी। लोग रास्तो पर आ गए थे ताकि रास्ता रोका जा सके। महिलाए चुल्हे चढा कर रोटियो पका रही थी और मर्द भाान्ति प्रिय ढंग से बैठे रास्ता रोके हुए थें।

सरकार ने भी फेसला कर लिया था कि कोई बस नही चलेगी। उस दिन पूरी तरह से ट्रैफिक बन्द कर दिया गया था। सरकारी ट्रफिक भी सरकार के आदे ा से बन्द हुआ था। लोग अमन चैन से रास्ता रोके बैठे थे लेकिन उस वक्त भी सरकार ने बडी़ बेरहमी के साथ गोलियां चलाई। उन लोगो पर गोलियां चलाई जो निहत्थे थे और अमन चैन के साथ संघर्श समिती के हुक्म को मान रहे थे तथा भाान्ति के साथ रास्तों पर बैठे हुए थें। समझ नही आता कि क्या ऐक ान था गोली चलाने का और क्यो गोली चलाई गई? उन रास्तों पर न किसी बस ने आना था और न किसी ट्रक ने आना था तथा न उन सड़को पर किसी प्रकार की मुरम्मत होनी थी। इससे इस बात का सन्देह होता है कि उस समय जो संघर्श समिति के कार्यकर्ता संघर्श मे लगे हुए थे, सरकार ने उनकी जान बूझ कर हत्या करनी चाही थी। हमन उस संघर्श से रास्ता रोके जाने वाले दिन तथा हरियाणा बन्द वाले दिन अपने तीन सपूत गवां दिए। वे हमे छोड़ कर चले गए परन्तु हरियाणा प्रान्त के लोगो के दिलों मे हमे ाा के लिए अपनी जगह कायम कर गए परन्तु हरियाणा प्रान्त के लोगो के दिलो मे हमे ाा के लिए अपनी जगह कायम कर गए। जब कभी इतिहास लिखा जाएगा तो इन तीन महान सपूतों का नाम उसके स्वर्ण अक्षरों मे आएगा। स्पीकर साहब, उस वक्त संघर्श समिति के नेता ने हरियाणा प्रान्त की जनता से अपील की कि जो हमारें नौजवान सपूत भाहीद हो गए है कि उनके परिवारो को वित्तीय मदद दी जए। मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि हरियाणा की जतना ने पूरी नेता चौधरी

देवी लाल जी को इतना पैसा दिया कि पांच सात दिन के अन्दर ही उन तीनों भाहिदों के परिवारों केा एक एक लाख रूपए की मदद दी गई। स्पीकर साहब, जो कौम जो प्रदे ा अपने भाहीदेा की इज्जत नही कर सकता, वह प्रदे ा मुर्दा हुआ करता हैं । मै एक बार फिर सदन के नेता से यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो आने वाली पीढी को प्ररेणा दे कि जब कभी प्रदे ा के साथ अन्याय हो, हरियाणा प्रदे ा की जनता के साथ अन्याय हो तो तीन नही बल्कि सैंकडो़ बलबीर सिंह, धर्म सिंह और ओम प्रका ा गोयल पैदा हों। वे अन्याय क खिलाफ लड़े ताकि उनकी जन्म भूमि ओर वह मातृ भूमि जिस पर उन्होने जन्म लिया वह अपने आपको साकार समझे कि ऐसे सपूतों का उसने जन्म दिया थां। इन्ही भाब्दों के साथ मै अपनी तरफ से और दल की तरफ से इन तीनों भाहीदों को श्रद्वांजलि अर्पित करता हूं। और उनको बार बार नमस्कार करते हुए अपना स्ाीान ग्रहण करता हूं।

**मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):** स्पीकर साहब, मैने जब भाोक प्रसताव हाउस के समाने रखा था उस समय वह गलती हो गई थी। उस गलती को सुधारने के लिए चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने जिन भाहीदों के नाम हाउस के सामने रखें है मै उनकों स्वीकार करता हूं। स्पीकर साहब, इतिहास का जो नक ाा बना हें यह उन्ही भाहीदों की कुर्बानी की वजह से बना है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने उनकी यादगार बनाए जाने के बारे मे जो बात कही है हम उस

बारे मे फेसला करके उन तीनो भाहीदो की कोई न कोई यादगार अव य बनाएगें।

**श्री जगन नाथ (बवानी खेड़ा, अनुसूचित जाति):** स्पीकर साहब, 19वी और 20 वी सदी के अन्दर इस दे ा मे जो महान पुरूश हुए है उनमे से चौधरी चरण सिंह जी एक हैं। चौधरी चरण सिंह जी की महानता इस बात के लिए मानी जाती है चूंकि दे ा के अन्दर नेता तो भिन्न भिन्न फील्डज के अन्दर हुए है और है भी लेकिन चौधरी चरण सिंह जी गरीब लोगो के नेता थें किसानो के साथ थें, मजदूरों के साथ थें। मेहनतक ा लोग जो भी है चाहे किसान है चाहे मजदूर है, चाहे छोटे दुकानदार है और चाहे सरकारी है मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि जिन लोगो को काम करते वक्त पसीना आता है चौधरी चरण सिंह जी उन लोगो के नेता थे उनके साथ थें। यही कारण था कि समय समय पर उनकी पार्टी मे भी चौधरी चरण सिह जी के दूसरे नेताओं के साथ टकराव के होते थें चाहे वह टकराव पंडित जवाहर लाल नेहरू के साथ थे चाहे दूसरे नेताआ के साथ थे। चौधरी चरण सिंह जी किसानों के बारे मे बात करते थे और मेहनतक ा लोगो की बात करते थें। इसलिए ऐसी बातो पर उनके समय समय पर टकराव हाते रहे। यह बात भी कि महाने नेता वह होता हे जो गरीग लोगो ककी बात करता है। बड़े लोगेा की बात तो सारेकरते है अफसर भी करते है बड़े बड़े एम.एल.ए. और एम.पी. भी करते है क्योकि उनके पास साधन होते हैं जबिक गरीब आदमीयों के पास

साधन नही होतें। गरीब लोगों की बात करने वाले बहुत कम नेता होते है लेकिन चौधरी चरण सिंह जी चूंकि गरीबो की बात करते थे इसलिए वे गरीबों के नेता थें। दुख की बात यह भी रही कि कुछ समय से वे बीमार थें। इस दौरान सारा दे ा चिन्तित था कि चौधरी चरण सिंह आखिरी दिनों मे बहूत दुखी बीमार हैं। हम सब अपनी तरफ से हर्दिक संवेदना प्रकट करते है कि भगवान उनकी आत्मा को भाान्ति दे। स्पीकर साहब, चौधरी साहिब राम हमारे नेता चौधरी देवी लाल जी के बड़े भाई थे और वे इनेस 4 या 5 साल बड़े थे। इनके परिवार के साथ मेरा 1962 से काफी संबंध रहा है। चौधरी देवी लाल जी भारारती थे और ये चौधरी साहिब राम जी के साथ कभी कभी झगड़ा भी कर लेते थें लेकिन चौधरी साहिब राम इनकी पिटाई तक कर दिया करते थें। जनता पार्टी के समय जब चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री थे उस समय भी ये चौधरी साहिब राक से डरते रहते थें। चौधरी साहिब राम 1962 मे एम.एल.सी. थे उस समय मै और डा. मंगल सैन एम.एल.ए. हुआ करते थे। इस हाउस के अन्दर जो अपर हाउस कहलाता था वह यहा मीट करता था। स्पीकर साहब, श्री प्रताप सिंह कैरों का जमाना भी इतना ही कड़वा जमाना था। जितना 1972 और 1977 के बीच राज रहा। श्री प्रताप सिह कैरों के साथ चौधरी साहिब राम इस हाउस के अन्दर लड़ते थे ओर नीचे वाले हाउस के अन्दर लडते थें जहां पर आजकल पंजाब की असैम्बली बैठती है। हम उस महान पुरूश को जानते है, उस बुजुर्ग को जानते है कि वे कितने महान थे। लीडर के नाते से भी और बुजुर्ग को जानते है

कि वे कितने महान थें। लीडर के नाते से भी और बुजुर्ग के नाते से भी वे हमे अजीज मानते थें। वे समय समय पर हमारी हर प्रंकार से मदद करते थें।

अध्यक्ष महोदय, श्री माखन सिंह तरसिक्का और श्री मुलतान सिंह जी 1962 की असैम्बली मे हमारे साथ थें। श्री मुलमान सिंह मजाकिया टाईप के इन्सान थे, भारीफ आदमी थें और वे इस हाउस मे बहुत ही पापूलर थे। श्री माखन सिंह तरसिक्का 1964 से पहले तो उस समय वे मार्सिस्ट पार्टी के मैम्बर थे और 1964 जब उनकी पार्टी से स्पलिट हुआ तो उस समय वे मार्कस्सिट पार्टी के मैम्बर बन गए। उस समय पंजाब के अन्दर जितने भी हम एम0एल0ए0 थें मै डा0 मंगल सैन, चौधरी साहिब राम और दूसरे लोग हम सभी किसानों की ज्यादा से ज्यादा बात करते थें और मजदूरों की बात करते थें। मेरे कहने का मतलब है कि हम मेहनतक ा लोगो की बात करते थें। हम अपने हक के लिए लड़ते थे गरीब लोगो के लिए लड़ते थे और मजदूरों के लिए लड़ते थे। श्री मुलतान सिह और श्री माखन सिंह तरसिक्का की हरियाणा प्रान्त के लिए बड़ी से बड़ी कंट्रब्यू ान थी। यह पहले एक बहुत बड़ा प्रान्त था। कांगडा और ि ामला हिमाचल मे चला गया। बाकी हिस्से से पंजाब और हरियाणा प्रान्त अलग अलग बन गए। जब यह एक बड़ा प्रान्त था उस समय अपने गरीब लोगों के लिए बात कहना बहुत बड़ी बात थी। इन्ही भाब्दों के साथ मै इन सभी महान नेताओ का श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

**श्री राम बिलास(महेन्द्रगढ):** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है मै उसके समर्थन मे खड़ा हुआ हूं। माननीय चरण सिंह जी हिन्दूस्तान मे सदा याद किए जाएगें। जब जब किसान की बात होगी तब तब चौधरी चरण सिंह की याद हिन्दूस्तान करेगा। बहुत से माननीय सदस्यों ने चौधरी चरण सिह जी को अपनी ओर से श्रंद्धाजलि दी है लकिन मै एक ही भाब्द मे कहना चाहूंगा कि चौधरी चरण सिंह ने हिन्दूस्तान की रातनिती मे दिल्ली के अन्दर खड़े को कर किसानों की बात भाुरू की थी। चौधरी चरण सिंह ने 1958 मे कहा था कि पंडित जवाहर लाल नेहरू खेती के संबंध मे कम जानते है। उस समय उन्हाने सही मायनों मे किसाना का प्रतिनिधित्व किया था। चौधरी चरध सिंह ने नागपुर के कौलैक्टिव फार्मिंग और कोओप्रेटिव फार्मिंग का विरोध किया था। उन्होने किसानों के हब की बता बड़ी हिम्मत के साथ सबसे पहले कांग्रेस मे मंच पर कही थी और हिन्दूस्तान का किसान उस बात को हमे ाा याद रखेगा। चौधरी चरण सिह ने दिल्ली के अन्दर संसद मे किसानों की बात भाुरू की थी। उस बात को लेकर सिह ने दिल्ली के अन्दर संसद मे किसानों की बात भाुरू की थी। उस बात को लेकर चौधरी देवी लाल ने हरियाणा मे 23 दिसम्बर को किसान दिवस के नाम से चौधरी चरण सिंह का जन्म दिन बड़े उत्साह और वि ाल रूप मे मनाया। वह उसके मंत्र का साकार रूप था। अभी हमारे साथी माननीय चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने उन तीन साथियें जो हरियाणा के लिए भाहीद हो गए, का भाोंक प्रस्ताव अलग से रखा हैं। सर्वश्री बलबीर सिंह, धर्मसिह

और औम प्रका ा गोयल मे से दी की उमर 22–23 साल की थी। ये तीनें हरियाणा के पानी के लिए भाहीद हुए थें। जब हम गोहाना मे जोली लाठ के पास भाहीद हुए भाई धर्म सिंह के परिवार से मिलने गए तो उस समय उनकी एक रि तेदार और धर्म सिंह के एक छोटे से बच्चे से पूछ रही थी कि तेरे पिता कहा गए है? तो वह बचचा कहने लगा कि मेरा पिता रावी ब्यास का पानी लेने गए है। औम प्रका ा गोयल की उम्र भी बहुत छोटी थी। वे अविवाहित थें। स्पीकर साहब, मै आपकी इजाजत से इस संबंध मे एक भोर कहना चाहता हूं:–

फूल तो दो दिन बहारे ताफिजां दिखला गए,

हसरत तो उन गुमचों पे है जो बिन खिले ही मुरझा गए।

चौधरी देवी लाल जी ने ठीक कहा ळ कि उनकी चाद मे कोई न कोई स्मारक बनाया जायेगा। इन्होने यह भी ठीक कहा है कि आज का जो ताना–बाना है यह उनहीं कुर्बानी के कारण ही है।

स्पीकर साहब, श्री एम0पी0 कौि ाक हरियाणा के एक जाने–माने ि ाक्षा भाास्त्री थें। ि ाक्षा के माध्यम से 0ही वे राजनीति मे आये। वे मेरे पर्लियामैंटरी हल्के के चिकरपुर गांव के थें। ि ाक्षा जगत मे उनकी बड़ी मान्यता रही है। उनके निधन पर हम बड़ा गहरा भाोक प्रकट करते है।

डा0 सलीम अली और श्री मुलतान सिंह जी से हम परिचित तो नही है लेकिन हिन्दूस्तान की राजनीति मे उनका बड़ा योगदान रहा हैं। इसलियें मै उनके भाोक मे भी भाामिल होता हूं।

इसी प्रकार से चौधरी साहिब राम जी से मेरी पहली मुलाकात तेजाखेड़ा मे हुई थी। वे इतनी बड़ी उम्र के आदमी होते हुए भी छोटी छोटी बातों पर बड़ा ध्यान रखतें थें। तेजाखेड़ा मे हम हरियाणा के वकार के लिए एक लडाई लड़ रहे थे हमे गुससा था उस बात का जब हरियाणा के एक करोड़ चालीस लाख लोगों की भावनाओ को हरियाणा के राज भवन मे कुचला गया था। वह गुस्सा हमारे दिलों मे था। उस गम के बारे मे ही हम तेजाखेउा मे बैठकर जून की तपती लू के अन्दर विचार करते थें। चौधरी साहब राम जी कहा करते थे लाडी होली चलो, बात लम्बी हैं। अभी इतना गुस्सा मत करों, रास्ता लम्बास है। हम भी लड़े है तुम्हे भी लड़ना पड़ेगा। आज वह महान आत्मा हमरे साथ नही है। इसका हमें बड़ा दुख है। हम चाहते थे कि वे अपनी आंखो से उस ताजपो ाी को देखते जो 1982 मे नही हो सकी थी। परन्तु ई वर की लीला अपरम्पार है। हम सब का उसके सामने कोई व ा नही चलता। स्पीकर साहब, इस सदन के सामने सदन के नेता ने जो अन्य भाोक प्रस्ताव रखे है, मै उन सब का समर्थन करता हूं। हम सभी महान आत्माओं की भाान्ति के लिए व भाोकग्रस्त परिवारों के लिए संवेदना प्रकट करते है।

स्पीकर साहब, मै अपनी बात खत्म करने से पहले एक बात और लालडू और फतेहाबाद के पास दरियापुर के नजदीक गांव मे जो घटनाए हुई है, उनके बारे मे कहना चाहूंगा चौधरी तैयब हुसैन सदन के बहुत पुराने मैम्बर है। मै इनको बताना चाहूंगा कि जब ऐसी घटनाओं मे लोग मारे जाते है तो उनका नाम भाोक प्रस्तावों मे भाामिल किया जाता रहा है। स्पीकर साहब, ऐसी घटनाओं पर सिर्फ भाोक प्रस्ताव तक ही सीमित नही रहा जा सकता। आज लोग बड़ी उम्मीदों के साथ देख रहे हे कि सरकार कुछ करे ताकि ऐसी घटनाए दुबारा न होग। इस घटनोओं के पीछें दिल्ली मे कुछ ऐसे नेता ने उठाया है तो दिल्ली की राजनीति का भी तहस नहस कर देगा। दिल्ली मे कुद लोग यह साजि ा रचें के जब वह आदमी (चौधरी देवी लाल) चण्डीगढ राजधानी मे पहुंचे तो तुम कोई ऐसा खुडका कर दो कि उसकी लोकप्रियता पर आंच आ जाये। स्पीकर साहब, मै आपका बता रहा था कि इस किस्म के पता नही कितने भाोक प्रस्ताव हम पिछले 5 सालों मे अपनी इस विधान सभा मे लाते आये है। मै बताना चाहूंगा कि हम ऐसे भाोक प्रस्ताव यहां पर ला चुके हैं। इन घटनाओं मे पता नही कितने निर्दोश लोग मारे जा चुके हैं। इन घटनाओं मे निरपराध लोगो के बारे मे हिन्दूस्तान का या दुनिया का कोई अ ादमी नही बता सकता कि वे लोग क्यो मारे गए? मै आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि दिल्ली सरकार अब सावधान रहें। क्योकि हरियाणा मे एक ऐसा नेता सरकार को संभाले हुए है, जो अब कुछ लोगो द्वारा हरियाणा के विरूद्ध रची

गई साजि ा का कामयाब नही होने देगा। साजि ा की राजनिति की कब्र अब हरियाणा मे खुादेगी। मै उम्मीद करता हूं कि जो सरकार बनी है, हरियाणा मे ही होगा। अब हम सिर्फ भाोक प्रस्तावों तक ही सीमित नही रहेगें। मरने वालो का हमें बहुत दुख है। पिछले दिनों मे 69 लोग मरे। हमारी बढी माताए इंतजार करती रही है उनका बेटा कब वापिस आयेगा लेकिन अफसोस कि बहिनेा की मांगों का सिन्दूर पोछ लिया गया।

अन्त मे स्पीकर साहब, मै अपने दुख का इजहार करते हुए उम्मीद करता हूं कि चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व मे जो सरकार बनी हैं वह सारे हिन्दूस्तान की राजनीति को एक नई दि ाा देगी। मै यह भी चाहूंगां कि आतंकवाद की बीमारी खत्म होने का श्रेय चौधरी देवी लाल की सरकार को मिलें। यह मेरी इच्छा भी है व भाुभकामना भी हैं मरने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इतनी बात कहते हुए मै अपना स्थान लेता हूं।

**श्री जगपाल सिह (नारायणगढ):** स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जितने भी भाोक प्रस्ताव रखें है मै उन सब का समर्थन करता हूं। इसमे से जो नीजी तौर पर मेरे वाकिफ थे उनके बारे मे मै कुछ जिक्र अव य करना चाहूंगा। चौधरी साहिब राम जी को मै उस समय से जानता हूं जब मै सिरसा मे सन् 1941 मे 5 वी जमात मे पढा करता था। मुझे याद है कि जब अग्रेज पुलिस उनको तंग करती थी तो वे पुलिस की गिरफतारी से बचने के लिए हमारे घर मे आकर छिपते थें, ताकि पुलिस तंग न

करे। उस वक्त हमारे पिता जी वहां पर तहसीलदार होते थें। स्पीकर साहब, जब से मैने उनको देखा था तब से लेकर मरने तक वे सादा जीवन ही व्यतीत करते रहें। उनके अन्दर अंहकार नाम की कोई चीज तो थी ही नही। वे बड़े खु ामीजात व्यक्ति थें। मुझे यह अच्छी तरह से याद है कि इन दोनो भाईयों का बड़ा अच्छा प्यार था। लोग इन्हे राम लछमन की जिन्दगी बहुत ही सादा थी। स्पीकर साहब, उनके मरने से कुछ दिन पहले की एक बात मै आपको बताना चाहूंगा। जिस दिन चौधरी देवी लाल जी को काकोत के अन्दर तोला गया था। उस दिन मै कैथल रैस्अ हाउस मे ठहरा हुआ था। चौधरी साहिब राम जी भी उस दिन कैथल रैस्ट हाउस मे पहुच गए और मेरे कमरे मे आकर रूक गए। बाद मे जब मै आया तो कहने लगे कि भाई मै तो तेरे को अपना समझ कर तुम्हारे कमरे मे रूका हूं। आप महसूस न करना, मै बगैर इजाजत के रूका हूं। वे बड़े ही हस–मुख और सादे व्यक्ति थें।

स्पीकर साहब, पंजाब व हरियाणा के अन्दर जो बस यात्रियो के साथ घटनाए हुई है, इनके बारे मे जितना कुद कहा जाये वह कम है। इस बारे मे मै यह चाहूंगा कि सरकार कोई ऐसा प्रबन्ध जरूर करे ताकि ऐसी घटनाए आईन्दा न हो। इतनी बात कहते हुए मै अपना स्थान लेता हूं।

**श्री भगवान सहाय (हथीन):** अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी ने जो भाोक प्रस्ताव रखे है। मै सभी का अनुमोदन

करता हूं। इन भाोक प्रस्तावो मे से दो तीन के बारे मे वि ोश जिक्र करना चाहूंा। सबसे पहले तो मै चौधरी चरण सिंह जी के बारे मे कुछ कहना चाहूंगा। चौधरी चरण सिंह हमारे राश्ट्रीय स्तर के नेता रहे हैं। उन्होने किसान मजदूर के हित के लिए प्रतीकात्मक रूप मे एक आन्दोलन चलाया। आज हम परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते है और यह कामनाक करते हे कि उनकी आत्मा को सद्गति दे और हमे प्रेरणा दे कि हम उनके द्वारा दिखाये हुए रास्ते पर आगे बढ़ सकें।

अब मै चौधरी साहिब राम जी के बारे मे कहना चाहूंगा। हम तो उनके  लिए बच्चों के समान थे। अभी कुछ दिन पहले हरियाणा भवन मे हम उनके द र्िनार्थ मिले थें। इसलिये आज हमे यकीन  नही आत कि वे हमारे बीच मे न रह करके परलोक सिधार गए हैं। हमार परमात्मा से प्रार्थना है कि वे उनकी आतम को भाान्ति दे और समस्त परिवार को दुख सहन करने की हिम्मत दें।

स्पीकर साहब, संघर्श समिति के आन्दोलन के दौरान समिती के तीन नौजवान संघर्श करते हुए मारे गए। इन तीनों नौजवानो की बहुत छोटी उम्र मे ही मृत्यू हो गई

स्पीकर साहब, 6 और 7 तारीख को हरियाणा की बसों के अन्दर भी काफी लोग मारे गए। इन लोगो के मारे जाने के बारे मे मुझे जलियांवाला बाग काण्ड की याद आती हैं। हम

विधार्थी जीवन मे जो कविता पढते थे, वह भी मुझे याद आ रही हैं। यह कविता इन सभी लोगो के मारे जाने पर सही उतर हरी हैं। इस संबंध मे मै उस भाोक कविता की कुछ लाईने हाउस मे रखना चाहूंगा जो इस प्रकार हैं:–

''वह तेर अप्रैल जिस दिन कितनी गोद हुई सूनी।

वह तेर अप्रैल जिस दिन कितनी सेज हुई सूनी।।

वह तेर अप्रैल जिस दिन नंगी नाची बर्बरता।

वह तेर अप्रैल जिस दिन सहम उठी थी मानवता।।

वह तेर अप्रैल जिस दिन जिस दिन बहे रक्त के नाले थें।

छोटे छोटे बच्चे डायर के बने निवाले थें।।''

हमारे यहां पर यह परम्परा रही है जब हमारे हाथ से कोई हस्ती छिन जाती है तो हम एक रस्म के रूप मे पुरानी बाते याद करते है लेकिन भाायद जीवन मे उन बातों पर अमल नही कर पाते, जिन पर हमे अमल करना चाहिए। जिन नौजवानों ने अपना बलिदान दिया है और जो बस यात्री दर्दनाक परिस्थितियों मे मारे गए है उनके प्रति सच्ची श्रद्धाजंली तो यही होगी कि हम सब चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व मे, जो संघर्श के प्रतीक बन चुके है, इस कुचक को और अ ाान्ति को, जो सारे भारतवर्श में साम्प्रदायिकता और आतकंवाद का जहर बनकर फैल

रही हैं, उसका निराकरण करने के लिए अग्रसर हों। इन भाब्दों के साथ मै पुनः उन सभी आत्माओं के प्रति जो इन भाोक प्रस्तावों मे भाामिल है, संवेदना प्रकट करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

**श्री धीरपाल (बादली):** अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता चौधरी देवी लाल जी ने जो भाोक प्रस्ताव रखे है, मै उनका अनुमोदन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी का जन्म गांव की झोपड़ी मे हुआ। वे एक गरीब किसान के घर मे पैदा हुए। वे गांव की झोपड़ी मे पैदा हो कर नयी दिल्ली मे दे ा के उच्च पद पर विराजमान हुए। उन्होने जीवन भर बड़ा लम्बा संघर्श किया। उन्होने अपने जीवन मे गरीबी का अहसासा किया और हर सभा मे यह कहा कि मैने गरीबी को बहुत नजदीक से देखा है। वे कहा करते थे कि मेरा बेटा वकील क घर मे जन्मा और मंत्री के घर मे ि ाक्षा प्राप्त की और फिर अमेरिका मे चला गया। उसे गरीबी का अहसासा नही हो सकता। स्पीकर साहब, जब एक गरीब किसान का बेटा लाल किले पर 15 अगस्त को तिरंगा झंडा फहराने के लिए पहुंचा तो उस समय सारे हिन्दूस्तान के गरीबो और किसानों के दिलो मे एक खु ाी की लहर दोड़ी थी लेकिन 29 मई 1987 को वह गरीबो का रहबर हमारे से जुदा हो गया। चौधरी चरण सिंह जी ने गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों के लिये ही ज्यादा काम किया था । सब से ज्यादा कमा उन्होने छुआछूत को दूर करने के लिए किया था। उन्होने कहा था कि छुआछूत की बीमारी न कानून से दूर होगी

और न किसी और चीज से दूर होगी। यह ता मन से तभी दूर होगी जब एक अच्दे घर की लड़की एक गरीब के घर मे जायेगी और गरीब की अच्छे घर मे जायेगी। चौधरी देवी लाल जी ने जो गरीबों, किसान, मजदूरों का कर्जा माफ करने की बात कही है, यह चौधरी चरण सिंह जी को सच्ची श्रद्धांजलि है।

हमारे हरियाणा से राज्य सभा के एम.पी. श्री कौि ाक, चौधरी मुलतान सिह, भूतपूर्व मंत्री और डा. सलीम अली को भी मै श्रद्धाजंलि भेट करता हूं चौधरी साहिब राम, जो हमारे सदन के नेता के बड़े भाई थे के निधन से भी हरियाणा प्रदे ा को बड़ा भारी नुक्सान हुआ है। जब मै सन् 1982 मे सदन का सदस्य बना तो हमारे साथ हरियाणा राज भवन मे एक ाड़यंत्र रचा गया जिसके कारण हमारी पार्टी पावर मे नही आ सकी थी। अभी जैसे भाई रामबिलास जी ने कहा कि हम सब लोग उस समय चौटाला फार्म पर गयें। साहिब राज जी ने वहां फार्म पर हर एम.एल.ए. का बच्चे की तरह समझाया कि यह रास्ता बहुत दर्दनाक है और लम्बा भी है। आप लोगों ने बहुत समण कर चलना हैं। मुझे उनके बारे मे एक बात और भी याद आती है, उससे आप अन्दाजा लगाये कि वे कितने फराखदिल थें। हमारे सदन के नेता चौधरी देवी लाल सन् 1962 मे चुनाव लड़े थें। उस वक्त लोगों ने यह मांग रखी कि हमारे नेता चौधरी भोर सिंह को भी कोई सम्मान मिलें। चौधरी देवी लाल ने स्वर्गीय साहिब राम जी से कहा कि भाई साहब समय की मांग है आप इस्तीफा दे कर चौधरी भोर सिंह के

लिए विधान परिशद की सीट को खाली करों। चौधरी साहब ने तुरन्त ही सदन की सदस्यता से त्याग पत्र दिया और चौधरी देवी लाल के प्रोफेसर भोर सिह का सदन की सदस्यता देकर सम्मानि किया। यह थी उनकी फराखदिली।

स्पीकर साहब, 6–7 तारीख जो काण्ड हुआ है वह बहुत ही घृणित काण्ड है। जनसत्ता अखबार मे यह बात आयी है कि यह पे ोवर लोगो का काम है। उग्रवादी को भी ऐसा काम करते हुए भार्म आती हैं। 6 और 7 तारीख का समाज के भाईचारे को, प्रेम के बन्धन के धागें को तोड़ने की जो साजि ा की गई हें वह बहुत ही गलत है। फतेहाबाद 0मे जब हमारे एक केन्द्रीय मंत्री इस घटना के मौके पर पहुंच रहे थे तो वे सब बातें टेलीविजन पर नही दिखायी गई बल्कि और ही ढंग से वह पिक्चर बनायी गई। इससे यह महसूस होता है कि वहां वे भाोक प्रकट करने के लियें नही गये थें बल्कि लोगेां की भावनाओं को भड़काने के लिए गए थें। एक बच्ची जिसकों गोलिया लगी थी, उसको भी टेलिविजन पर दिखाय गया। इसलिए मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि इस तरह का कोई घृणित कार्य होता है तो वह निन्दा के योग्य है। निर्दोश लोगो की दुकाने जलाने और मारने का ाड़यंत्र भी बहुत ही बुरी बात है। इन भाब्दों के साथ मै अपना स्थान लेता हूं।

**12.00 बजें**

**चौधरी महेन्द्र सिह (मेवला महराजपुर):** स्पीकर साहब, तीन चार महीनेा के अर्से यानी पिछले सै ान से बाज तक के दौरान हमारे मध्य से प्रदे ा और दे ा की कई महान विभूतियां चली गईं। उनके बारे मे हमारे सदन के आदरणीय नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखे हैं, उनके बारे मे हमारे सदन मे आदरणीय नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखे है, उनके द्वारा मै भी अपनी तरफ से और अपने दल से तरफ से उनके भाोक संतप्त परिवारों तक अपनी भावनायें पहुचाना चाहता हूं।

स्पीकर साहब, सब से पहला भाोक प्रस्ताव चौधरी चरण सिंह के बारे मे रखा गया हैं। चौधरी साहब के बारे मे बहुत कुछ कहा जाता है। चौधरी चरण सिंह किसी जाति वि ोश के नही थें। यह अटल बात है कि जो इस संसार मे आया है वह अव य जायेगा यह प्रभू का नियम है। हर प्राणी अपने भाग्यों को भोग कर इस संसार से विदा लेता है लकिन महान विभूतियां अच्छे कामो की समाज मे अपनी कुछ छाप छोड़ कर जाती है। जहां तक चौधरी चरण सिंह जी का ताल्लुक है वे राजनैतिक पटल पर पचास साल से भी गया है कि उन्हे किसानो का मसीहा कहा जाये तो कोई अति योकित नही होगी। मुझे इस मौके पर श्री विवेकानन्द जी की एक बात याद आ गई, वह हाउस मे रखना चाहूंगा। स्वामी दयानन्द जी कलकता मे मौजुद थें। परहंसा स्वामी रामकृश्ण जी के पास विवेकानन्द जी, जो कि उनके ि ाश्य थें, कहने लगे कि गुरूदेव जी चूकि सुना है कि स्वामी दयानन्द जी

भी यहां कलकता मे आये हुए है, इसलिए मै उनके द र्ान करना चाहता हूं। परमहंस रामकृश्ण जी ने विवेकानन्द जी से कहा कि नरेन्द्र मै आपके साथ ही चलूंगा। खैर ऐसा ही हुआ। वे उनको एक साईड मे ले कर खड़े हो गयें। स्वामी दयानन्द जी बरामदे मे बड़ी तेजी के साथ टहल रहे थें। परमहंस जी से नरेन्द्र कहने लगा कि यह महान पुरूश बड़ा व्याकुल लगता हैं यह इतनी तेजी से क्यो टहल रहा है? रामकृश्ण जी बोले कि इनके हृदयव मे गरीबों के प्रति उत्पीडित है, वे दुखी है इस समाज के उत्पीड़न से और चाहते है कि इस गरीब उत्पीडत समाज का उत्थान हो। इसलिए इस मौके पर मुझे वही भाब्द याद आ रहे है कि किसान और मजदूरो के लिए जिस व्यक्ति ने जीनपर्यतन आवाज उठायी, वह आज हमारे बीच मे नही रहा। तो मै अपने हृदय से उनके प्रति श्रद्धाजलि अर्पित करता हूं और सच्ची श्रद्धांजलि तो यह होगी कि जो उनके कार्य अधूरे रह गये है, उन्हे हम पूरा करें।

दूसरा भाोक प्रस्ताव श्री कौ ा ा जी के बारे मे हैं। उनसे मेरा इतना संबंध नही रहा लेकिन जैसा कि हमारे साथी ने बतलाया कि वे उस्ताद थे और उस्तादों के भी उस्ताद थे। जब उनकी सेवाओ से हमारो प्रदे ा वंचित रह गया हैं।

तीसरा भाोक प्रस्ताव आदरणीय मुख्यमंत्री के बड़े भाई के बारे मे है। वित्त मंत्री महोदय ने बताया कि दोनों भाईयो को राम लखन की जोड़ी कहा जाता था। वे बहुत ही महत्वपर्ण स्वतन्त्रता सेनानी हुए हैं। उन्होने दे ा की आजादी के लिए सब

कुछ न्योछावर कर दिया। ऐसे दे ाभक्तों के सामने हरेक का सिर नमन हो जाता है। यह स्वाभाविक ही है। स्पीकर साहब, और भी कितनी ही महान विभूतियां जिनसे हमारे सम्पर्क नही रहा, हमारे बीच मे चली गई है। वे महाने आत्मायें जिन्होने इस दे ा और प्रदे ा को दि ाा दी और समाज के उत्थान के लिए कार्य किया उन्हे मै हृदय से अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

स्पीकर साहब, आखिर मे, मै एक ऐसे हत्याकांउ का जिक्र करना चाहता हूं जो हमारे प्रदे ा मे और बराबर मे प्रदे ा मे दो दिनों मे हुआ है। उसकी जितनी भी कड़े भाब्दों मे निन्दा की जाये उतनी ही थोड़ी हैं। वह हिन्दूस्तान जिसने सारी दूनिया मे वसुधम कटुम्ब वासुदेव कम का नारा दिया, आज वही हिन्दूस्तान अपने ही घर मे क्या कुछ देख रहा है और उसे देख कर मानवता रोती हे, इसमे कोई रो राय नही।

स्पीकर साहब, इसके अलावा मै एक बात जरूर कहना चाहता हूं क्योकि इस बारे मे एक दो बाते पहले आ चुकी हैं वैसे भाोक प्रस्ताव पर ऐसी बातों की चर्चा नही होनी चाहिये लेकिन यहां पर ऐसी बाते आई है; यहां पर कांग्रेस पार्टी की साजि ा की बात भी आयी। ( ाोर व व्यवधान) अगर आप इजाजत देगे मै तभी बोलूगां। मेरे ख्याल मे आप जरूर इस बारे मे इजाजत देगे क्योकि कुछ भाईयों ने इस बारे मे कहा। अब कुछ भाई कह रहे है कि पार्टी का नाम नही लिया। बहिन जी की तरफ से पार्टी का नाम भी आया। कई सदस्यों ने कुछ और बाते भी

कही हैं मै तो इस बारे मे केवल एक बात कहना चाहता हूं। न ता मै इस भाव से यह कह रहा हू कि एक पार्टी का मै मैम्बर हूं और न ही इसलियें कह रहा हूं कि यहां पर किसी दूसरी पार्टी की सरकार है। इसकी जिम्मवारी इस सरकार के ऊपर भी नही डाली जा सकती क्योकि अभी कुछ दिन पहले ही इस सरकार ने काम संभाला हैं। इस समस्यां की नजाकत को देखते हुए कोई भी यह नही कह सकात है कि दूसरी पाट्री का ाड़यन्त्र है। पंजाब मे बहुत समय तक काग्रेंस की सरकार थी। क्या उस समय विपक्ष का ाड़यन्त्र था? (व्यवधान व भाोर) दिल्ली मे भी हत्याए हुई क्या वह विपक्ष का ाडयन्त्र था?

**श्री अध्यक्षः** आप बैठियें।

**चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः** सर मै अभी समाप्त करता हूं। अब हरियाणा मे भी ऐसे बीज बोने की कोि ा ा की जा रही है। एक समय पर वेदपाल जी के ऊपर भी हमला किया गया लेकिन सरकार ने वक्त रहते उसको कन्ट्रोल किया। लेकिन आज अगर हम यह कहे कि सरकार बदलने के बाद यह जो काम हुआ है।, यह दूसरी पार्टी ने कराया हे यह ठीक है। इनको कोई मानेगा ही नही। इसके पीछे कई दूसरे कारण हा सकते हैं। एक कारण यह भी हो सकता है कि आज एक और आवाज उठनी भाुरू हो गयी है कि पंजाब मे इलैक ान कराए जाये। अगर इलैक ान नही कराये जाते तो हत्याए होती है। केन्द्रीय सरकार को ऐसा कार्य करने के लिये मजबूर करें ताकि इस तरह के हालात पैदा

हो जाये कि वह इलैक ान कराने के लिये मजबूर हो जायें। इसके लिये मै किसी एक9 पर जिम्मेदारी डालना अच्छा नही समझता।(व्यवधान)

**Mr. Speaker:** please take your seat. Do not go ahed now.

**चौधर महेन्द्र प्रताप सिहः** सर, मै अभी खत्म कर रहा हूं। किसी के ऊपर आक्षेप नही करना चाहियें और इस समस्या की भयंकरता को देखिए। किसी की बाम का मानकर इस समस्या को छोड़ा नही जा सकता। मै यह कहकर समाप्त कर रहा हूं कि इस तरह का आपेक्ष नही लगाना चाहिये। अगर हम एक दूसरे पर इस तरह के आपेक्ष लगायेगे तो इस समस्या की भयंकरता को नश्ट कर देगें। यह पंजाब और हरियाणा का ही मसला नही हैं, यह सारे दे ा का मसला है।

**श्री अध्यक्षः** आप बैठियें।

**चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः** अगर आप इजातज नही देते तो मै बैठ जाता हूं।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, आज तकरीबन पौने दो घंटे से सारे सदस्य भाई इस भाोक प्रस्ताव पर अपने विचार रख रहे है। पिछले सै ान से अब तक बहुत दुखदायी घटनाऐं हुई हैं। बड़ी बड़ी भाख्सियतें हमारे बीच से चली गयी जिनमे से चौधरी चरण सिंह का नाम बहुत ऊपर आता है। मेरा चौधरी

चरण सिंह के साथ और जो कुछ सुना है, वह केवल यह है कि वे इस सदी के सबसे बड़े गरीबो के मसीहा थे। गरीब मजदूर की बात जितनी अच्छी वे किया करते थें। उतनी अच्छी किसी ने पहले नही की। जब भी गरीब मजदूर के या किसान के खिलाफ कोई बात खड़ी होती थी तो वे बगावत का झंडा खड़ा कर दिया करते थें। उनके चले जाने मे न केवल उनके परिवार को ही नुक्सान हुआ है बल्कि दे ा का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है।

इसके अलावा चौधरी साहिब राम जी के साथ मेरा बड़ा सम्बन्ध रहा है। मै सबसे पहले उनको उनके गांव मे मिला था उसके बाद लगभग 25 साल तक उनके साथ सम्बन्ध रहा हैं। वे मुझे बेटे की तरह समझाते ओर बात करते थे। अभी पिछले महीन की 27–28 तारिख को मै उनके साथ था। हमे कोई पता नही था कि उन्होने हमारे बीच मे से इतनी जल्दी चले जाना है। उनके चले जाने से भी हमें बहुत नुक्सान हुआ वे बहुत पूरान फ्रीडम फाईटर थे जिस वक्त फ्रीडम फाईटर मिला नही करते थें। उस वक्त उन्होने अंग्रेज के खिलाफ जिहाद खड़ा किया। तब अंग्रेजो के खिलाफ आवाज उठाइ जब गांवों मे आवाज नही उठाई जाती थी बल्कि भाहरों मे भी कहीं कही पर ही यह आवाज उठती थी।

कौि ा ा जी, डा. सलीम अली और मुलतान सिह जी का भी नाम इस लिस्ट मे भाामिल है। मुलतान सिह जी को तो मै

थोड़ा सा जानता हूं। वे बड़े नेक आदमी थे और बहुत भारीफ इन्साफप थें। इस हाउस के दो दफा मैंम्बर रहे है।

आनरेबल आनरेबल मैम्बर्ज जो ये घटनाए आज से कुछ दिन पहले हुई है, ये बहुत भार्मनाक है। बहुत दुख आता है क्योकि वे मुसाफिर या वे इन्साफ अपनी अधूरी जिन्दगी भोग कर चले गये और बहुत कुछ अपने पिछे छोड़ गयें। पउनकी बात तो हम याद करते है लेकिन आज दुख है कि छोटे छोटे बच्चे हमारी नौजवान बहिने, नौजवान भाई जिन्होनें अपनी जिन्दगी देखी भी नही थी, कईयों को तो यह पता नही थिा कि वे संसाार मे है वे भी बगैर वजह ही चले गये। उनका गुनाह यह था कि उनका कोई गुनाह नही था। दुख की बात यह हे कि इस घटना मे तकरीबन 75 आदमी मारे गयें। लगभग 75 आदमी तकरीबन 24 घंटे के अन्दर  हमे छोड़ कर चले गये। यह कह कर चले गये कि आप उठो, आतकंवाद के खिलाफ आवाज उठाओ। आप उठो इसके खिलाफ आवाज खड़ी करों। किसी भी धर्म मे नही कहा गया है कि किसी को मारना हैं। किसी अल्लाह ने यह नही कहा, किसी भगवान ने यह नही कहा कि किसी को मारना है। मुझे तो एक छोटी सी बात याद है। वह लड़ाई मे थें। एक कन्हैया था वह फौज को पानी पिलाया करता था और जो कन्हैया की ि ाकायत गुरू जी के पास की कन्हैया दु मन की फौज की मरहम पट्टी करता हैं  और उसको पानी पिलाता हैं। उन्होने उसे बुलाया और पूछा कि कन्हैया है जो ि ाकायत करते हे और कहते हैं क्या यह

सच है? कन्हैया ने यह कहा हां गुय जी मुझे हर जख्मी मे आपकी भाकल नजर आती है। इसलिये मै हर जख्मी को पानी पिलाता हूं और हर जख्मी की मरहम पट्टी करता हूं। यह वह धर्म है जिसमे भाई कन्हैंया जैसे आदमी मैदा हुए हें यह वह धर्म है जिसमे बड़े बडेत्र महापुरूश पैदा हुए है। आज हमे इस आतंकवाद के खिलाफ लड़ना है। आज हमे लोगों को इस बात का वि वास दिलाना है कि हम आतंकवाद का खत्म करेगें। इन भाब्दों के साथ जिन परिवारों के हीरे चले गये और हमारे नेता चले गये, उनके साथ मै हमदर्दी पे ा करता हूं और हाउस की डीप सिम्पैथीज का ब्रीव्ड फेमिलीज तक पहुंचा दूगां। अब मै हाउस से विनती करता हूं कि डिपार्टिड सोल्ज की मैमोरी मे खड़े होकर दो मिनट के लिये मौन रखे और उनको याद करें।

(इस समय दिवंगत आत्माओ के सम्मान मे सदन के सदस्यों ने खड़े होकर देा मिनट का मोन धारण किया)

सदन की मेज पर रखें गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

**Irrigation and Power Minister (Sh. Verender Singh):** Sir, I beg to lay on the Table—

The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R.31/H.A.20/73/S.64/AMD. (2)/87, dated the 15th April, 1987 regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1987 as required under Section 64 (3) of the Haryana general Sales Tax Act. 1973.

The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R.34/H.A.20/73/S.64/AMD. (2)/87, dated the 17th April, 1987 regarding the Haryana General Sales Tax (Third Amendment) Rules, 1987 as required under Section 64 (3) of the Haryana general Sales Tax Act. 1973.

The General Administration Department No. G.S.R.17/Const./Art.318/AMD. (1)/87, dated the 27th February, 1987 regarding the Haryana Public Service Commission (Conditions of Service) First amendment Regulation, 1987 as required under Article 320 (5) of the constitution of India.

The General Administration Department No. G.S.R.33/Const./Art.320/AMD. (II)/87, dated the 17th February, 1987 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Function) Second amendment Regulation, 1987 as required under Article 320 (5) of the constitution of India.

The General Administration Department No. G.S.R.47/Const./AMD. (III), dated the 10th June, 1987 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Third amendment Regulation, 1987 as required under Article 320 (5) of the constitution of India.

The Grant Utilization Certificate and Audit Report for the year 1984-85 of the Haryana Agriculture University Hissar as required under Section 34(5) of the Haryana and Punjab Agriculture Universities Act. 1970.

The 19th Annual Report and Accounts for the year 1985-86 of the Haryana Financial Corporation as required under Section 38(3) of the State Financial Corporation Act. 1951.

Sir , I beg to relay on the Table-

The General Administration Department No. G.S.R.11/Const./Art.320/AMD. (1)/87, dated the 18th February, 1987 regarding the Haryana Public Service Commission (Conditions of Service) First amendment Regulation, 1987 as required under Article 320 (5) of the constitution of India.

Sir , I beg to relay on the Table-

The 12th Annual Report for the year 1985-86 of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited as required under section 619A (3) Companies Act, 1956.

**श्री अध्यक्षः** अब सदन सोमवार दिनांक 13 जुलाई, 1987 को सुबह 9.30 बजे तक के लिये ऐडजर्न किया जाता है।

**12.25 बजे।**

(तत्प चात् सदन सोमवार, दिनांक 13–7–1987 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ)